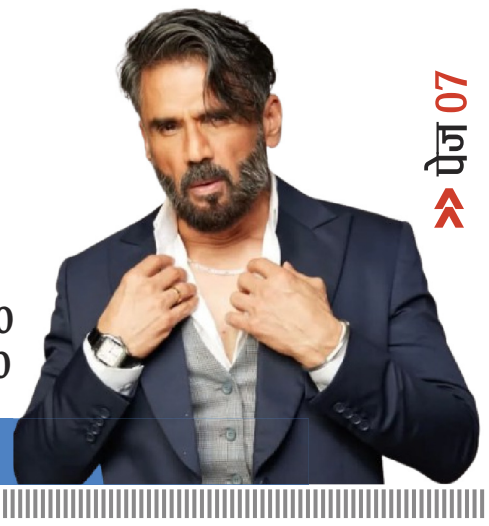
www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 133 || लखनऊ
बुधवार
12 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:35
सूर्यास्तः 06:46
अधिकतमः 36°00
न्यूनतमः 29°00



पेज 07

विशेष समाचार
युवा शक्ति को मिले दिशा... »पेज 04
एसएन में पर्चे के लिए मारामारी... »पेज 06
65 वर्ष के हुए सुनील...

भाजपा के झारखंड बंद का मिलाजुला असर

स्कूल- दफ्तर खुले, कई जगह बाजार बंद, विधानसभा घेराव के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं-पुलिस में झड़प हुई थी

झारखंड मंत्री इरफान अंसारी ने कहा, ₹भाजपा का चाल-चरित्र सामने आ गया है, युवाओं के प्रति इनकी कोई भावना नहीं है। निश्चित तौर पर मुझे गर्व है कि आप लोगों ने कहा कि हमारे धरना को भाजपा के लोगों ने दबाने का काम किया है। मैं फिर से कहना चाहता हूं कि सरकार युवाओं के साथ है, हम उनकी मांगों पर विचार कर रहे हैं। कल राहुल गांधी ने भी कहा कि शांतिपूर्वक आंदोलन करने का सबको हक है। पुलिस प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश में है। वही कार्यकर्ता 'सारे जहां से अच्छा' गाकर प्रोटेस्ट कर रहे हैं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, "हमने सदन को चलाने की पूरी कोशिश की।



सीएम सोरेन ने कहा- परजीवी भाजपा ने कल भी युवाओं के आंदोलन को अपना राजनीतिक मंच बनाने की कोशिश की। छात्रों की बात...छात्रों के साथ होगी और झारखंड के मेरे युवा साथियों को न्याय मिलकर रहेगा।

लाठीचार्ज में 100 से अधिक छात्र घायल

छात्रों ने सोमवार को झारखंड में JPSC-JSSC भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ प्रदर्शन किया था। विधानसभा घेराव के दौरान 100 से अधिक छात्र घायल हुए। कई छात्रों के हाथ और पैर में फ्रैक्चर होने की बात कही जा रही है। वहीं, रांची पुलिस के करीब 14 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। सरकार और छात्रों के बीच अब तक तीन दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका है।



विरोध

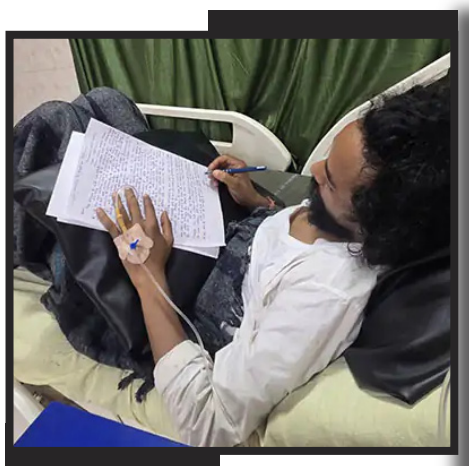
तमसा संकेत, एजेंसी

रांची। झारखंड के रांची में सोमवार को हुए लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा ने मंगलवार को राज्यव्यापी बंद बुलाया। रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह सड़कें जाम कीं। कुछ जिलों में कार्यकर्ता जबरन दुकानें बंद कराते भी नजर आए। कई शहरों में पुलिस ने लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, कई प्राइवेट स्कूल खुले हुए थे। इधर, झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान ABVP कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। कार्यकर्ता पुरानी विधानसभा के पास जुटे थे, जहां उन्हें हिरासत में लेने के लिए पुलिस पहुंची। इसके बाद कुछ कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए, जबकि कुछ पुलिस वैन के आगे बैठ गए। पुलिस लगातार उन्हें हटाने की कोशिश करती रही, इसी दौरान धक्का-मुक्की और झड़प हुई। वहीं, मानसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्ष पर युवाओं को भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "विपक्ष हल्ला करता रहेगा, हम अपना काम करते जाएंगे। सरकार छात्रों के हित में फैसले ले रही है।"

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम सोरेन बोले- परजीवी की तरह जीवित है विपक्ष

विधानसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा, पिछले दो-चार दिनों से जो प्रकरण चल रहा है, उसे देखकर हमें लगता है कि अब विपक्ष के पास कुछ बचा नहीं है, लेकिन कभी-कभी वे अलग-अलग तरीकों की आड़ में छिपकर बैठे रहते हैं और अलग-अलग स्रोतों के सहारे खुद को जीवित रखते हैं, ठीक वैसे ही जैसे कोई परजीवी जीवित रहता है।"



छात्र आंदोलन कब क्या हुआ....

- **21 जुलाई:** परीक्षा गड़बड़ी पर CID की JPSC ऑफिस में रेड, उप परीक्षा नियंत्रक समेत 8 हिरासत में, चेयरमैन का इस्तीफा
- **22 जुलाई:** JPSC चेयरमैन एल ख्यांगते का इस्तीफा मंजूर, सिविल सेवा मेंस समेत 9 परीक्षाएं स्थगित
- **24 जुलाई:** JPSC-JSSC नियुक्ति अनियमितता के खिलाफ छात्र आंदोलन शुरू
- **28 जुलाई:** मोरहाबादी की बापू वाटिका से आंदोलन जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम शिफ्ट
- **29 जुलाई-4 अगस्त:** छात्रों का प्रदर्शन, कैंडल मार्च, आंदोलन तेज हुआ
- **5 अगस्त:** सरकार ने वार्ता के लिए 4 मंत्रियों की कमेटी बनाई, CM ने बातचीत का न्योता दिया
- **6 अगस्त:** सोनम वांगचुक ने वीडियो कॉल कर देवेंद्र नाथ महतो से पानी पीने की अपील की
- **7 अगस्त:** विधानसभा मार्च में AISA अध्यक्ष नेहा बोरा पर स्याही फेंकी, छात्र डेलिगेशन की सरकार से वार्ता
- **8 अगस्त:** छात्रों और सरकार के प्रतिनिधिमंडल के बीच दूसरे राउंड की बातचीत हुई, लेकिन यह भी बेनतीजा रही
- **9 अगस्त:** तीसरे राउंड की बातचीत में सरकार ने JPSC 14वीं PT रद्द समेत 6 मांगें मानीं, CGL रद्द करने और CBI जांच पर नहीं बनी सहमति
- **10 अगस्त:** छात्रों का विधानसभा घेराव, पुलिस का लाठीचार्ज, 100 से ज्यादा घायल
- **11 अगस्त:** लाठीचार्ज के खिलाफ भाजपा का झारखंड बंद, ABVP का विधानसभा घेराव

दीपके बोले- हम झारखंड के छात्रों के साथ हैं

झारखंड में छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा, ₹जब राजनीतिक पार्टियां विरोध-प्रदर्शन करती हैं, तो आंसू गैस और लाठीचार्ज का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जाता? सिर्फ़ छात्रों के खिलाफ़ ही ऐसा क्यों किया जा रहा है? मैंने देवेंद्र महतो से बात की, जिन्होंने मुझे बताया कि पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया, जबकि वे पिछले नौ दिनों से भूख हड़ताल पर थे। देश की सभी सरकारों को सोचना चाहिए कि छात्रों पर जुल्म करके उन्हें क्या हासिल हो रहा है ऐसी बर्बरता नहीं होनी चाहिए। हमने देवेंद्र महतो को अपना समर्थन देने का भरोसा दिलाया।



बंगाल एसआईआर : सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जानकारी मांगी

ट्रिब्यूनल के फैसलों में देरी पर कहा- इस रफ्तार से तो अगले इलेक्शन आ जाएंगे

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) में हटाए गए नामों से जुड़े मामलों की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों के फैसलों की डिटेल्स देने को कहा है। ये अपीलीय ट्रिब्यूनल उन लोगों की अर्जियों पर सुनवाई करते हैं, जिनके नाम बंगाल SIR के दौरान वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। कोर्ट ने ट्रिब्यूनल की संख्या, काम के घंटे और मामलों के निपटारे की रफ्तार जैसे मुद्दों की जांच करने पर सहमति जताई। याचिकाकर्ता ने कहा कि ट्रिब्यूनल लोगों की अपीलों पर तेजी से फैसला नहीं कर रहे। कोर्ट ने कहा कि ट्रिब्यूनल में मामलों के निपटारे के लिए कोई टाइमलाइन तय नहीं कर सकते। CJI सूर्यकांत- अगर अपीलों पर फैसला लेने में बहुत समय लगा तो अगला चुनाव भी आ जाएगा। दामा शेषाद्रि नायडू- अगर देरी की वजह लॉजिस्टिक समस्या है तो उसे दूर किया जाएगा और ट्रिब्यूनल से जुड़ी पूरी जानकारी ली जाएगी। पश्चिम बंगाल में SIR की ड्राफ्ट लिस्ट में 58.20 लाख नाम कट गए हैं। ड्राफ्ट लिस्ट से पहले राज्य में 7.66 करोड़ थे, ड्राफ्ट लिस्ट में 7.08 करोड़ वोटर्स का नाम शामिल किया गया।



10 और 20 रूपये के आएंगे प्लास्टिक नोट !

सरकार ने 100-100 करोड़ नोटों के ट्रायल को दी मंजूरी

जानकारी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जल्द ही 10 और 20 के पॉलीमर यानी प्लास्टिक नोट देखने को मिल सकते हैं। केंद्र सरकार ने दोनों मूल्यवर्ग के पॉलीमर बैंक नोटों के फील्ड ट्रायल को मंजूरी दे दी है। इसके तहत 10 और 20 के 100-100 करोड़ पॉलीमर नोट, यानी कुल 200 करोड़ नोटों का परीक्षण किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में लिखित जवाब में इसकी जानकारी दी। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ओर से केंद्र सरकार को भेजे गए प्रस्ताव में दोनों मूल्यवर्ग के पॉलीमर नोटों का फील्ड ट्रायल करने और परीक्षण सफल रहने पर भविष्य में इन्हें नियमित रूप से जारी करने की योजना शामिल है। सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। RBI के मुताबिक नए पॉलीमर नोटों के आने का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा 10 और 20 के कागजी नोट तुरंत बंद हो जाएंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)



फास्ट न्यूज

पुणे में 4 साल की बच्ची पर कुत्तों का हमला

पुणे। पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवाड़ में सात आवारा कुत्तों ने चार साल की बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके सिर पर 80 से ज्यादा टांके लगे हुए हैं। घटना चिखली इलाके में रविवार दोपहर की है। बच्ची के पिता गिरधर मिश्रा के मुताबिक, बच्ची पास के पेड़ से कुछ पत्तियां लेने के लिए घर से बाहर निकली थी।

एअर इंडिया फ्लाइट टर्बुलेंस जांच, दावा-पायलट ने गांजा पिया था

नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट के टर्बुलेंस मामले में आरोपी पायलट का दूसरा ड्रग टेस्ट भी पॉजिटिव आया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पायलट ने गांजा का नशा किया था। DGCA ने फिलहाल प्लेन उड़ा रहे दोनों पायलट को जांच पूरी होने तक ड्यूटी से हटा दिया है। एयरक्रॉफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो (AAIB) ने मामले की जांच शुरू कर दी है। AAIB ने कहा कि जांच पूरी होने तक कोई नतीजा नहीं निकाला जाना चाहिए। यह घटना 4 अगस्त को हुई थी।

जैसलमेर में स्कूल बस में आग लगी

जैसलमेर। जैसलमेर में मंगलवार सुबह 6:30 बजे चलती स्कूल बस में अचानक भीषण आग लग गई। बस में 17 बच्चे सवार थे।

इंजन से धुआं उठते ही ड्राइवर ने तुरंत बस रोककर सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद कुछ ही मिनट में बस आग का गोला बन गई। हादसा सदर थाना इलाके के धऊवा गांव के पास हुआ।

मनमोहन सिंह सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में एक थे : सोनिया

उनकी ईमानदारी का रिकॉर्ड बीजेपी सरकार से अलग, इतिहास उन्हें सम्मान से याद करेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में क्लीन चिट मिलने के कुछ दिन बाद कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। सोनिया ने मंगलवार को द इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित अपने आर्टिकल में मनमोहन सिंह और मोदी सरकार के कामकाज की तुलना की। सोनिया ने लिखा कि मनमोहन सिंह की ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड मोदी सरकार के काम करने के तरीके से बिल्कुल उल्टा था। इतिहास मनमोहन सिंह को शांत, सरल, लेकिन सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में से एक के तौर पर सम्मान से याद करेगा। सोनिया ने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के खिलाफ लॉबी कैंपेन सुनियोजित और संगठित था। इसमें अफसरशाही से लेकर मीडिया, न्यायपालिका, सिविल सोसाइटी और निश्चित तौर पर RSS और BJP से जुड़े लोग शामिल थे। उन्होंने कहा कि आज यह कैंपेन अपने तय अंत यानी शून्य पर पहुंच गया है और डॉ. सिंह हर मामले में बेदाग साबित हुए हैं। सोनिया गांधी ने कहा कि 29 जुलाई भारत के हालिया राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण दिन था।

>> (शेष पेज 06 पर)



कालीबाड़ी बाबा और रवि किशन में टक्कर : योगी

कहा-सांसद जी ने आज भाषण नहीं दिया, गोरखपुर में ग्रीन सिटी रोड का उद्घाटन

उद्घाटन

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर सांसद रवि किशन की चुटकी ली। ग्रीन सिटी रोड के उद्घाटन कार्यक्रम में उन्होंने कहा- आज सांसद जी ने कुछ बोला नहीं है। लगता है इन्होंने कुछ ज्यादा लोगों को भोज दे दिया है। कितने लोग उनके यहां भोज करने गए थे? इसके बाद सीएम योगी ने लोगों से पूछा- कितने लोगों ने उनकी फिल्म देखी है? और कालीबाड़ी बाबा की फिल्म कितने लोगों ने देखी है?" इस पर वहां मौजूद लोगों ने हाथ उठाकर जवाब दिया। सीएम योगी ने कहा कि बराबरी है। सीएम योगी ने गोरखपुर-सोनौली मार्ग से ग्रीन सिटी होते हुए माधोपुर बंधा तक बनी सड़क का लोकार्पण किया। करीब 1.80 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण पर 69.58 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। लोकार्पण के बाद सड़क को आम लोगों के लिए खोल दिया गया। कालीबाड़ी के महंत रविंद्र दास को सीएम योगी आदित्यनाथ का करीबी माना जाता है। सीएम के कार्यक्रमों में उन्हें अक्सर मंच पर जगह मिलती है। वह लंबे समय से गोरखनाथ मंदिर से भी जुड़े हुए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)



684 करोड़ से अधिक लागत की 201 विकास परियोजनाओं का आज लोकार्पण व शिलान्यास किया।

लखनऊ और सोनौली जाने में भी होगी आसानी

सीएम योगी ने कहा- लोगों ने इस इलाके में जमीनें ली हैं, इसलिए इस सड़क का महत्व और बढ़ जाता है। अब क्षेत्र के लोगों को अगर सोनौली, महाराजगंज या बलरामपुर की तरफ जाना है तो उन्हें शहर के अंदर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। राजघाट पुल के पास ट्रांसपोर्ट नगर से माधोपुर तक फोरलेन सड़क बनाने का काम भी चल रहा है। डोमिनगढ़ में फ्लाईओवर भी बनाया जाएगा। इससे लखनऊ जाने वालों को ट्रांसपोर्ट नगर होकर जाने की जरूरत नहीं होगी। लोग यहीं से फोरलेन बाईपास पकड़कर लखनऊ जा सकेंगे।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सीएम योगी ने सड़क का लोकार्पण किया

जनसभा को संबोधित करने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर-सोनौली राजमार्ग पर ग्रीन सिटी मोड़ के पास नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण किया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटा और लोकार्पण शिलापट्ट का अनावरण किया। इसके बाद सीएम योगी इसी सड़क से होते हुए निर्माण कार्य का जायजा लेते हुए जनसभा स्थल पहुंचे।

सीएम योगी ने कहा- ग्रीन सिटी कॉलोनी से पदौनिया होते हुए माधोपुर बंधा तक सड़क का लोकार्पण हो रहा है। इससे अब लोगों को आने-जाने में काफी आसानी होगी। करीब 2 किलोमीटर लंबी यह सड़क 70 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है।

मांग : 45 हजार न्यूनतम पेंशन और 3.83 फिटमेंट फैक्टर का प्रस्ताव

8वें वेतन आयोग के सामने पेंशनर्स की बड़ी मांगें

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 8वें वेतन आयोग के समक्ष पेंशनभोगियों की ओर से कई महत्वपूर्ण मांगें रखी गई हैं। भारत पेंशनभोगी समाज (BPS) ने आयोग से महंगाई भत्ता (DA) और महंगाई राहत (DR) की समीक्षा मौजूदा साल में दो बार के बजाय हर तीन महीने में करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि बढ़ती महंगाई का सीधा असर पेंशनभोगियों के जीवन स्तर पर पड़ता है, इसलिए उन्हें समय-समय पर महंगाई के अनुरूप राहत मिलनी चाहिए। BPS ने यह भी मांग की है।

>> (शेष पेज 06 पर)

7 अगस्त की बैठक में उठे कई अहम मुद्दे

BPS की ओर से 7 अगस्त को 8वें वेतन आयोग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में पेंशन से जुड़े कई मुद्दे उठाए गए। संगठन ने पेंशन में समान संशोधन की मांग के साथ-साथ 1 जनवरी 2026 से पहले और उसके बाद सेवानिवृत्त होने वाले समान स्तर के कर्मचारियों के बीच पेंशन में समानता बनाए रखने की मांग की। पेंशनर्स संगठन ने यह भी कहा कि समान पद और समान स्तर से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बीच पेंशन निर्धारण में किसी तरह का अंतर नहीं होना चाहिए। इसके अलावा महंगाई के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए प्वाइंट-टू-प्वाइंट मुआवजे की व्यवस्था पर भी जोर दिया गया।

करीब 10 लाख पेंशनर्स का प्रतिनिधित्व

भारत पेंशनभोगी समाज की स्थापना वर्ष 1955 में हुई थी। संगठन करीब 245 संबद्ध संघों के माध्यम से लगभग 10 लाख पेंशनभोगियों का प्रतिनिधित्व करता है। 8वें वेतन आयोग के समक्ष संगठन की ताजा मांगों से पेंशन और वेतन से जुड़े प्रस्तावों की सूची और लंबी हो गई है।



भारत पेंशनभोगी समाज ने वेतन और पेंशन की समीक्षा के लिए मौजूदा 10 साल के चक्र को बदलने की मांग की है। संगठन चाहता है कि कर्मचारियों के वेतन और पेंशन की समीक्षा हर पांच साल में की जाए। बीपीएस का तर्क है कि तेजी से बदलती आर्थिक परिस्थितियों और महंगाई को देखते हुए 10 साल तक इंतजार करना कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के हित में नहीं है।

कोलकाता में ममता बनर्जी के खिलाफ चोर-चोर के नारे लगे

3 दिन में दूसरी घटना, कार पर पत्थर और कीचड़ फेंका गया था

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यक्रम में मंगलवार को कुछ लोगों ने चोर, चोर के नारे लगाए। यह ममता के साथ 3 दिन में दूसरी घटना है। रविवार को हलीसहर में भी ममता को लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा था। TMC ने कोलकाता में यह कार्यक्रम बीजेपी सांसद नागेंद्र रॉय की नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में रखा था। नारे लगने से कार्यक्रम कुछ देर के लिए रुक गया था। ममता नॉर्थ कोलकाता के श्याम बाजार फाइव-पॉइंट क्रॉसिंग पर पहुंची थीं। उनके हाथ में स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस की फोटो थी। जब कार्यक्रम चल रहा था, तभी कुछ लोग वहां जमा हो गए। उन्होंने ममता 'चोर-चोर' के नारे लगाना शुरू कर दिए। टीएमसी का आरोप है कि बीजेपी समर्थित लोगों ने जानबूझकर प्रदर्शन करवाया। पार्टी के मुताबिक, इसका मकसद कार्यक्रम को रोकना और ममता बनर्जी का अपमान करना था। नागेंद्र रॉय ने नेताजी को वॉर क्रिमिनल बताया था।

>> (शेष पेज 06 पर)



कचरे को समस्या नहीं, ऊर्जा, रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर में बदलने की जरूरत : मंत्री ए के शर्मा

ग्रेटर नोएडा में इंडिया बायो एनर्जी एंड टेक एक्सपो का भव्य शुभारंभ

संबोधन

- निवेशकों को ऊर्जा मंत्री का आमंत्रण-यूपी आइए, कहीं भी प्लांट लगाइए, प्रदेश में नहीं देना पड़ता गुंडा टैक्स
- बायोएनर्जी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की अपार संभावनाएं, किसानों की आय और ग्रामीण रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता



पीएम सूर्य घर, सीबीजी उत्पादन और रिकॉर्ड विद्युत आपूर्ति में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम :ऊर्जा मंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा, बायोएनर्जी, निवेश और नवाचार को नई गति देने वाले इंडिया बायोएनर्जी & टेक एक्सपो (IBET Expo)-2026 का आज ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में भव्य शुभारंभ हुआ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने इस अवसर पर देश-विदेश से आए विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों, निवेशकों एवं प्रतिभागियों को संबोधित किया करते हुए उत्तर प्रदेश को बायोएनर्जी के क्षेत्र में देश का सबसे अग्रणी राज्य बताया। अपने संबोधन में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश में अग्रणी स्थान पर है। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है, CBG प्रोडक्शन में भी प्रदेश प्रथम स्थान पर है और रिकॉर्ड विद्युत आपूर्ति के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश आज पीसफुल स्टेट के रूप में प्रथम स्थान पर है और बिजनेस फ्रेंडली स्टेट के रूप में भी सबसे ऊपर है।

उत्तर प्रदेश में बायोएनर्जी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं

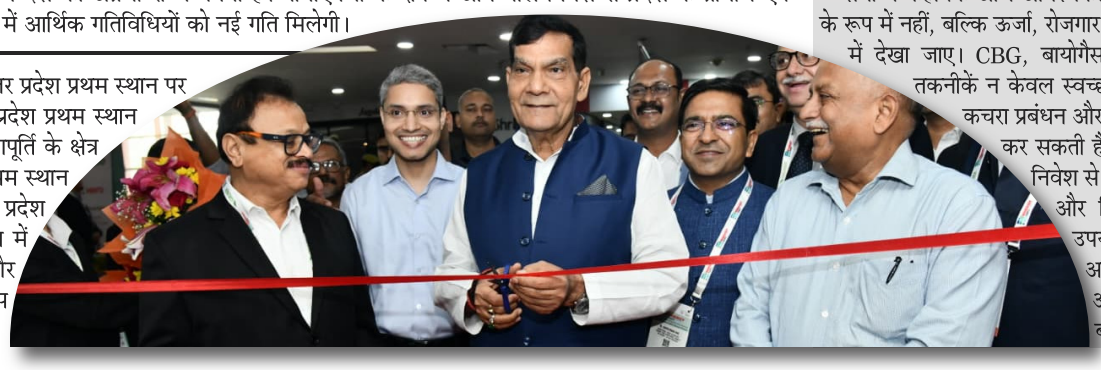
ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बायोएनर्जी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था, गन्ना उत्पादन, कृषि अवशेष, जैविक अपशिष्ट और नगरीय ठोस कचरा बायोएनर्जी उत्पादन के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराते हैं। इन संसाधनों का वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपयोग कर प्रदेश स्वच्छ ऊर्जा के साथ-साथ किसानों, युवाओं और उद्योगों के लिए नए अवसर सृजित कर सकता है।



निवेश और नई तकनीक के लिए उत्तर प्रदेश में व्यापक अवसर

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि IBET Expo जैसे अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेशकों और तकनीकी विशेषज्ञों के सामने अपनी संभावनाओं को प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। प्रदेश सरकार निवेश, तकनीक, नवाचार और उद्योगों के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का लक्ष्य केवल ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि नई ऊर्जा तकनीक, निवेश और नवाचार के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनना है। बायोएनर्जी के क्षेत्र में आने वाले निवेश से प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।



कचरे से ऊर्जा और रोजगार का सृजन

शर्मा ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि कचरे को समस्या के रूप में नहीं, बल्कि ऊर्जा, रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर के रूप में देखा जाए। CBG, बायोगैस, बायोमास और वेस्ट-टू-एनर्जी जैसी तकनीकें न केवल स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध करा सकती हैं, बल्कि कचरा प्रबंधन और सर्कुलर इकोनॉमी को भी मजबूती प्रदान कर सकती हैं।उन्होंने कहा कि बायोएनर्जी के क्षेत्र में निवेश से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और किसानों के कृषि अवशेषों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। इससे किसानों की अतिरिक्त आय, स्थानीय स्तर पर रोजगार और प्रदेश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

फास्ट न्यूज

समिट बिल्डिंग फ्रॉड केस में 9 पुलिसकर्मियों पर एक्शन

लखनऊ । लखनऊ में अमेरिका में साइबर ठगी के मामले में लखनऊ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। समिट बिल्डिंग से साइबर फ्रॉड के आरोप में करीब 122 लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद पुलिसकर्मियों पर भी गंभीर आरोप लगे थे। शिकायत थी कि साइबर क्राइम पुलिस के कुछ कर्मचारियों ने आरोपियों को कथित तौर पर पैसे लेकर छोड़ दिया। मामले की जांच के बाद साइबर क्राइम पुलिस के 9 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है।

सचिवालय कर्मियों के वाहनों पर कार्रवाई से आक्रोश

लखनऊ। एनेक्सी सचिवालय परिसर में सचिवालय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वाहनों को नगर निगम द्वारा उठाए जाने की कार्रवाई से कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी परेशान नजर आए और मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही सचिवालय संघ के अध्यक्ष अर्जुन देव भारती तत्काल मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने स्पष्ट किया कि सचिवालय कर्मियों के साथ किसी भी प्रकार की अनुचित कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

होटल में कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ पकड़ा गया इंजीनियर

लखनऊ । लखनऊ में बिजली विभाग के एक इंजीनियर को महिला सहकर्मी के साथ उसके पति ने पकड़ लिया। पति ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। मामले का वीडियो मंगलवार को सामने आया। सूत्रों के मुताबिक, महिला पहले बांदा में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अधिशासी अभियंता के कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर काम करती थी।

एम आई एस सहायक एवं लेखाकार का दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

> समापन अवसर पर श्री देवेंद्र कुमार ओझा, संयुक्त मिशन निदेशक ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य संकुल स्तरीय संघ के कैडर को तकनीकी, वित्तीय एवं प्रबंधन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे गांव स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी हो सके।

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, संस्थाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें अत्यधिक दक्ष और सक्षम बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं राज्य ग्रामीण विकास संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में मॉडल संकुल स्तरीय संघ के एमआईएस सहायक एवं लेखाकार का दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण क्षेत्रीय ग्राम विकास संस्थान बक्शी का तालाब में सोमवार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण श्री अरुण कुमार, मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निर्देशन में आयोजित किया गया था। समापन सत्र में क्षेत्रीय ग्रामीण विकास संस्थान के प्राचार्य श्री अनुज कुमार श्रीवास्तव, डॉ नन्दकिशोर साह, प्रशिक्षण प्रसार अधिकारी श्री रवि प्रकाश एवं सत्र प्रभारी डॉ सीमा राठौर उपस्थित रहे। सिद्धार्थनगर, संत रविदास नगर, औरैया एवं प्रयागराज जनपदों से आए लेखाकारों और एमआईएस सहायकों ने प्रशिक्षण में सक्रिय प्रतिभाग किया।



दस दिनों में प्रतिभागियों को वित्तीय प्रबंधन, त्वरित निर्णय क्षमता, सुदृढ़ ऋण प्रणाली एवं पारदर्शी हिसाब-किताब रखने की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेष रूप से यह बताया गया कि धन का खर्च सही जगह और सही उद्देश्य से कैसे किया जाए तथा लेखा-जोखा को व्यवस्थित एवं प्रदर्शनीय तरीके से कैसे रखा जाए।

सांसदगण एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तियों एवं खिलाड़ियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए-जयवीर सिंह

द्वितीय चरण में तिरंगा महोत्सव के रूप में एक बड़ा आयोजन

- हर घर तिरंगा अभियान-2026' के द्वितीय चरण 09 से 12 अगस्त तक पूरे प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम भव्य एवं जनभागीदारी के साथ आयोजित कराया जाय

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। प्रदेश में 09 से 17 अगस्त, 2026 के बीच 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के आयोजन हेतु जारी दिशा-निर्देशों के तहत दूसरे चरण के अंतर्गत 09 से 12 अगस्त, 2026 तक हर जिले में स्कूल/कॉलेज तथा तकनीकी संस्थानों में जिलाधिकारी द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित करायी जाएगी, जिसमें पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले विद्यालयों को आमंत्रित कर 26 जनवरी, 2027 को सम्मानित किया जाएगा। द्वितीय चरण में तिरंगा महोत्सव के रूप में एक बड़ा आयोजन किया जाएगा, जिसके अंतर्गत वृहद तिरंगा मेला और भव्य तिरंगा म्यूजिकल कान्सर्ट आयोजित की जाएगी। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तरीय तिरंगा महोत्सव का आयोजन किसी प्रमुखस्थल पर व्यापक जनभागीदारी के साथ किए जाने के निर्देश दिए गए है। इस कार्यक्रम में स्थानीय मा0 विधायकगण, सांसदगण और अन्य विशिष्ट व्यक्तियों एवं खिलाड़ियों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी। तिरंगा मेला के आयोजन में प्रदेश सरकार के ग्राम्य विकास विभाग के स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पाद तथा एमएसएमई विभाग के सहयोग से निर्मित उत्पादों को, स्थानीय उत्पादों (ओडीओपी), तिरंगा रंग की थीम वाली खाद्य सामग्री, परिधान, वस्त्र, श्रृंगार आदि की बिक्री एवं प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्य कार्यक्रमों के दौरान तिरंगा मेले में तिरंगा प्रदर्शनी का आयोजन

मुख्य कार्यक्रमों के दौरान तिरंगा मेले में तिरंगा प्रदर्शनी का आयोजन, वीआईपी कार्यक्रम के दिन व्यापक जनसहभागीदारी के साथ प्रसिद्ध और स्थानीय कलाकारों द्वारा देशभक्ति पूर्ण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भव्य तिरंगा संगीत, कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों, पीडीएस, दुकानों (सार्वजनिक बिक्री की दुकानों), खादी भंडारों और स्थानीय बाजारों के वस्त्रालयों आदि के माध्यम से तिरंगा की बिक्री और वितरण का प्रबंधन किया जाएगा।

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की गई

स्वयं सहायता समूहों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण किया जा रहा

- हर घर तिरंगा अभियान में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं निभा रही हैं महत्वपूर्ण भूमिका

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण किया जा रहा है । उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित लक्ष्य व निर्धारित मानकों के अनुरूप समय से राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण कर समय से आपूर्ति सुनिश्चित की जाय।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक श्री अरुण कुमार ने मंगलवार को जनपद लखनऊ के विकास खण्ड चिनहट अंतर्गत ग्राम पंचायत जुग्गौर एवं सिकन्दरपुर का भ्रमण कर ₹हर घर तिरंगा₹ अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय ध्वज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की तथा उन्हें विभिन्न आजीविका गतिविधियों एवं उद्यमों से जुड़कर आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। भ्रमण के दौरान मिशन निदेशक ने तुलसी माँ स्वयं सहायता समूह, छोटे साहब स्वयं सहायता समूह एवं बजरंगबली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से मुलाकात की। इन समूहों को 1.50 लाख राष्ट्रीय ध्वजों के निर्माण एवं वितरण का लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक लगभग 1.30 लाख राष्ट्रीय ध्वजों का निर्माण एवं वितरण सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रभक्ति का प्रतीक नहीं

अरुण कुमार ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रभक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का भी एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपने परिश्रम, अनुशासन और सामूहिक प्रयास से राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को 13 अगस्त तक 2 करोड़ राष्ट्रीय ध्वजों के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। 10 अगस्त तक प्रदेश की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगभग 1 करोड़ 90 लाख राष्ट्रीय ध्वजों का निर्माण किया जा चुका है, जो मिशन से जुड़ी महिलाओं की कार्यक्षमता, समर्पण एवं राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

'भवन स्वामी अधिकतम 08 कमरे ही किराए पर दे सकेंगे'

३0प्र0 ब्रेड एण्ड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) एवं होम स्टे नीति-2025 की एसओपी में संशोधन

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश ब्रेड एण्ड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) एवं होम स्टे नीति-2025 में निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अंतर्गत भवन स्वामियों को सरलता-पूर्वक जुड़ने एवं लाभ पहुंचाने की दृष्टि से कतिपय आवश्यक संशोधन किए गए है। यह नीति उ0प्र0 के संपूर्ण ग्रामीण परिक्षेत्र पर लागू होगी।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि संशोधन के मुताबिक देशी विदेशी पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश में आवास, भोजन सुविधा एवं ग्रामीण जीवन का अनुभव कराने के लिए इकाई स्वामी द्वारा इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराया जाएगा। संपत्तिधारक द्वारा उसके आवासीय भवन के कम से कम 01 तथा अधिकतम 08 कमरे (अधिकतम 16 शैय्या) को ही किराए पर दिया जा सकेगा। रूरल होम-स्टे में स्नानागार, शौचालय, जल, विद्युत आपूर्ति, सामान्य फर्नीचर आदि की सुविधा उपलब्ध करानी होगी। शहरी क्षेत्र (नगर निगम की परिधि) के बाहर आने वाली इकाईयों द्वारा इस वर्ग के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि आवेदक का चरित्र प्रमाण-पत्र पुलिस विभाग द्वारा जारी स्व-प्रमाणन पत्र प्रारूप थर्ड के अनुसार होगा। इसी प्रकार आवेदक का भी स्व-प्रमाणन पत्र प्रारूप थर्ड के अनुसार होगा तथा अभ्यर्थी के लिए पुलिस विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर स्व-प्रमाणन पत्र के प्रारूप पर होगा। संशोधन से पूर्व संपत्तिधारक द्वारा उसके आवासीय भवन के कम से कम 01 तथा अधिकतम 06 कक्ष (अधिकतम 12 शैय्या) को ही किराए पर दिया जाने की व्यवस्था थी। संशोधन के उपरांत भवन स्वामी 01 तथा अधिकतम 08 कक्ष (अधिकतम 16 शैय्या) किराए पर दिया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि उ0प्र0 ब्रेड एण्ड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) की एसओपी में संशोधन के फलस्वरूप अधिक से अधिक भवन स्वामियों को लाभ मिलेगा। साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

कटाक्ष : राम मंदिर चढ़ावा चोरी और शिक्षा-परीक्षा के मुद्दे पर चर्चा से बच रही सरकार: सपा प्रमुख

'भाजपा के लिए धन ही धर्म, अयोध्या में चढ़ावा चोरी पर सरकार जवाब दे'

तमसा संकेत, संवाददाता



> अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्ष जनता और छात्रों से जुड़े इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा चाहता है। उन्होंने सरकार से शिक्षा-परीक्षा, छात्रों के साथ हुई कार्रवाई और अयोध्या में चढ़ावे की रकम से जुड़े आरोपों पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की।

लखनऊ/नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के लिए धन ही धर्म बन गया है। उन्होंने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर सरकार से जवाब मांगा और आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा से बच रही है।

मंगलवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा-परीक्षा में कथित अनियमितताओं और श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। विपक्ष दोनों मामलों पर संसद में चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार चर्चा से बच रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहता है कि इन मुद्दों पर सरकार अपना पक्ष स्पष्ट करे और दिल्ली में छात्रों के साथ हुई कथित बर्बरता का भी जवाब दिया जाए। सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर विभिन्न वर्गों को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आरक्षण के अधिकारों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और नौजवानों के सामने रोजगार का संकट बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। सरकार को युवाओं, किसानों और आरक्षण से जुड़े सवालों पर जवाब देना चाहिए।

'भाजपा अब प्रभु राम का नाम भी नहीं लेना चाहती'

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े कुछ लोगों के तार शिक्षा-परीक्षा और राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामलों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों मामलों के पीछे एक ही तरह का नेटवर्क काम कर रहा है और विपक्ष इसी पर चर्चा चाहता है। सपा अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा अब प्रभु श्रीराम का नाम लेने से भी बच रही है।

अयोध्या में चढ़ावे की रकम को लेकर सरकार पर निशाना

अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े चढ़ावे की रकम को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चढ़ावे की रकम बोरे भरकर बाहर ले जाई गई और अलग-अलग स्थानों से पैसे निकाले जाने की बातें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में बड़े लोगों की संलिप्तता की जांच होनी चाहिए और सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में एक बार फिर रामपुर ने मारी बाजी

जनशिकायतों के निस्तारण में मारी बाजी

तमसा संकेत, संवाददाता

- जुलाई की रैंकिंग में शाहजहांपुर दूसरे व बरेली तीसरे स्थान पर
- जन समस्याओं के प्रति सीएम योगी की गंभीरता का दिख रहा असर प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का किया जा रहा निस्तारण

लखनऊ । योगी सरकार द्वारा पिछले साढ़े नौ वर्षों से प्रदेश में सुशासन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर धरातल पर साफ देखा जा सकता है। सीएम डैशबोर्ड की जुलाई माह की रैंकिंग में एक बार फिर रामपुर ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं शाहजहांपुर ने दूसरा और बरेली ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। रामपुर, शाहजहांपुर और बरेली के जिलाधिकारियों ने बताया कि उन्होंने यह उपलब्धि जनशिकायतों के प्रभावी निस्तारण, बेहतर फीडबैक और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधारात्मक पहल से हासिल किया है। रामपुर डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जिलों का मूल्यांकन कई मानकों के आधार पर किया जाता है। इसमें जनशिकायतों का समयबद्ध निस्तारण, प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई, फीडबैक की गुणवत्ता और योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे पहलू शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि जुलाई माह में सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले की 59 योजनाओं की मॉनीटरिंग की गई। इसमें से 56 कार्यक्रमों में जिले ने ए ग्रेड प्राप्त किया।

हज-2027 के चयनित हज यात्रियों को अग्रिम धनराशि जमा करने की तिथि बढ़ी

लखनऊ । हज कमेटी आफ इण्डिया मुम्बई द्वारा सकुर्लर-6 के माध्यम से अवगत कराया गया है कि हज-2027 के प्रत्येक प्रोवीज़नली चयनित हज यात्री को अग्रिम धनराशि रु 1,52,300/-जमा करने की तिथि 10 अगस्त, 2026 से बढ़ाकर 17 अगस्त, 2026 कर दी गयी है। प्रत्येक प्रोवीज़नली चयनित हज यात्रियों को अग्रिम धनराशि हज कमेटी आफ इण्डिया मुम्बई के खाते में निर्धारित समयन्तर्गत जमा करना होगा, जिससे सम्बन्धित निम्न निर्देष दिये गये हैं:- चयनित हज यात्री निर्धारित धनराशि ऑनलाइन वेबसाइट https://.hajcommittee.gov.in पर व हज सुविधा एप पर क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग के माध्यम से भी जमा कर सकते हैं। धनराशि स्टेट बैंक आफ इण्डिया व यूनियन बैंक आफ इण्डिया में भी पे-इन-स्लिप द्वारा हज कमेटी आफ इण्डिया के खाते में जमा की जा सकती है।

सड़क, जलभराव और सफाई समस्याओं पर सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी दी

कांग्रेस ने हरदोई नगरपालिका को दिया दो माह का अल्टीमेटम

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। शहर की बदहाल सड़कों, जलभराव, नालियों, पेयजल और सफाई व्यवस्था को लेकर शहर कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को नगरपालिका परिषद पहुंचकर विरोध जताया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कांग्रेस ने नगर-पालिका प्रशासन को समस्याओं के निस्तारण के लिए दो माह का समय दिया। निर्धारित अवधि में



समस्याओं का समाधान न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी गई। यह कार्यक्रम शहर कांग्रेस के 'नवसृजन पदयात्रा' अभियान के तहत आयोजित किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा के दौरान शहर के अलग-अलग मोहल्लों में पहुंचकर स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना। इसके बाद प्रमुख समस्याओं को चिन्हित करते हुए नगरपालिका प्रशासन के सामने उठाया गया।

अनुपम दीक्षित ने कहा कि नगरपालिका प्रशासन को समस्याओं के समाधान के लिए दो माह का समय दिया गया है। यदि इस अवधि में शहर की समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं किया गया तो शहर कांग्रेस जनता के साथ सड़क पर उतरकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव, धरना-प्रदर्शन और अन्य लोकतांत्रिक आंदोलन किए जाएंगे। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि जनता की मूलभूत समस्याओं को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



नघेटा रोड पर अधूरे नाले का मामला भी उठाया

ज्ञापन में नघेटा रोड पर आधे बने नाले का मुद्दा भी शामिल रहा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नाला निर्माण की गति बेहद धीमी है। लंबे समय से निर्माण कार्य पूरा नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कांग्रेस ने नगरपालिका प्रशासन से नाले का निर्माण जल्द पूरा कराने और जलनिकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की। नेताओं ने कहा कि शहर में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब नालियों और जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए।

सिनेमा चौराहे की टूटी सड़क का मुद्दा प्रमुखता से उठाया

कांग्रेस की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में सिनेमा चौराहे की जर्जर और टूटी सड़क का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति के कारण स्थानीय लोगों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में सड़क पर जलभराव होने से स्थिति और गंभीर हो जाती है। कांग्रेस ने धर्मशाला रोड पर अधूरे पड़े सड़क निर्माण को भी जल्द पूरा कराने की मांग की। नेताओं ने कहा कि निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। बारिश के दौरान सड़क और आसपास के क्षेत्र में पानी जमा होने से नागरिकों की दिक्कतें बढ़ जाती हैं।

फतेहपुर के साई पीजी कॉलेज में 'हर घर तिरंगा' अभियान

छात्र-छात्राओं ने चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता में लिया भाग

तमसा संकेत, एजेंसी



फतेहपुर। बाराबंकी के फतेहपुर स्थित साई पीजी कॉलेज में मंगलवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें स्नातक और परास्नातक कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने उत्साह-पूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। चित्रकला/पोस्टर प्रतियोगिता में तनीशा वर्मा, महक, पलक शर्मा, दीपांजली, सोनी, मुस्कान, नैंसी, अल्पिका, मोहिनी, रूबी, अंजली चक्रवर्ती और मोनिका जायसवाल सहित कई छात्राओं ने हिस्सा लिया। वहीं, रंगोली प्रतियोगिता में तनु गुप्ता, अनामिका वर्मा, सरिता वर्मा, मोनी और टीना गुप्ता समेत अन्य छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय के प्रबंधक विपिन राठौर ने छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टर और रंगोलियों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतिभागियों के रचनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करती हैं। चार सदस्यीय निर्णायक मंडल में चित्रकला विभाग की प्रवक्ता शिखा नाग व विवेक कुमार तथा गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता पल्लवी गुप्ता एवं सोनिका वर्मा शामिल रहीं। निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन के बाद चित्रकला प्रतियोगिता में तनीशा वर्मा ने प्रथम, महक ने द्वितीय और पलक शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

फास्ट न्यूज

नाली के पानी से झुका बिजली का खंभा

उन्नाव। उन्नाव के कंचन नगर ए स्थित मनसाखेड़ा कॉर्नर के पास एक बिजली का खंभा झुक गया है। नाली के पानी के रिसाव के कारण खंभा कमजोर होकर झुका है, जिससे बिजली के तार नीचे लटककर एक मकान की दीवार से टकरा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने मंगलवार को बिजली विभाग पर शिकायत के बावजूद कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है।

एमएलए ने लोकायुक्त को लिखा पत्र

उन्नाव। उन्नाव के सदर से भाजपा विधायक पंकज गुप्ता ने जिला पंचायत में तैनात बाबू मनोज कुमार पाल के खिलाफ लोकायुक्त से शिकायत की है। विधायक ने जिला पंचायत की आय-व्यय, विकास कार्यों, टेंडर प्रक्रिया और निर्माण कार्यों में कथित अनियमि-तताओं की निष्पक्ष जांच की मांग की है। विधायक पंकज गुप्ता ने लोकायुक्त को भेजे पत्र में आरोप लगाया है कि मनोज कुमार पाल लंबे समय से जिला पंचायत में बाबू के पद पर कार्यरत हैं। पत्र में जिला पंचायत क्षेत्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों और विकास कार्यों से जुड़े कई बिंदुओं पर जांच की मांग की गई है।

सांप के डसने से प्रेग्नेंट महिला की मौत

उन्नाव। उन्नाव में सांप के डसने से एक गर्भवती महिला की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, महिला की डिलीवरी की संभावित तारीख 20 अगस्त थी। वह अपने पति संतोष कुमार के साथ दिल्ली में रहती थीं। डिलीवरी के लिए संतोष उन्हें 7 अगस्त को गांव लेकर आए थे। महिला की पहचान संतोष कुमार की पत्नी अन्नू देवी के रूप में हुई है।

सऊदी अरब से उन्नाव पहुंचा व्यक्ति का शव

अंतिम दर्शन के लिए उमड़ा गांव, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

तमसा संकेत, एजेंसी



उन्नाव। उन्नाव के सुपासी गांव निवासी शिवम पाल का शव मंगलवार को सऊदी अरब से उनके पैतृक गांव पहुंचा। शिवम का निधन सऊदी अरब में हुआ था। शव पहुंचते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। परिजनों ने शव देखते ही गहरा दुख व्यक्त किया, जिससे गांव में शोक का माहौल छा गया। शिवम पाल रोजगार के लिए सऊदी अरब गए थे। परिजनों के अनुसार, उनका निधन 30 जुलाई को सऊदी अरब में हुआ था। परिवार तब से उनके पार्थिव शरीर के भारत आने का इंतजार कर रहा था। शव को भारत लाने की प्रक्रिया में कुछ समय लगा, जिससे परिजन चिंतित थे। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे शिवम का पार्थिव शरीर सऊदी अरब से लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पहुंचा। इसके बाद शव को सुपासी गांव लाया गया। गांव में शव के अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। परिवार के सदस्यों ने शव को देखकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। ग्रामीणों ने बताया कि शिवम परिवार के बेहतर भविष्य के लिए विदेश में काम कर रहे थे। उनकी असामयिक मृत्यु की खबर से गांव में पहले से ही शोक का माहौल था। पार्थिव शरीर पहुंचने के बाद परिवार के सदस्य गहरे सदमे में थे।

एक रात को 6 घरों में चोरी

हरदोई। हरदोई में 10/11अगस्त 2026 की मध्य रात्रि 2 बजे हुई चोरी की घटना के बाद एसपी अशोक कुमार मीणा ने सख्त कार्रवाई की है। देहात कोतवाली में तैनात दो आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन पर रात्रि ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप है।

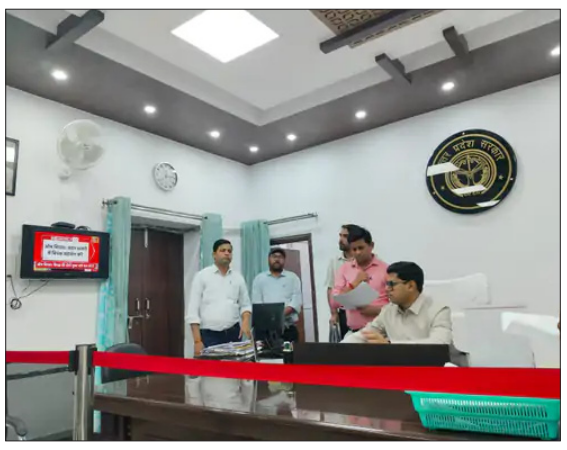
यह कार्रवाई देहात कोतवाली क्षेत्र के पिहानी रोड स्थित न्यू पोहकर पुरवा में हुई चोरी की घटना के बाद की गई। शनिवार रात चोरों ने एक ही रात में छह घरों को निशाना बनाया। परिवार के सदस्य घरों के अंदर सो रहे थे, इसके बावजूद चोरों ने घरों में घुसकर सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी कर ली।

सुबह जब परिवार के लोग जागे तो घरों में सामान बिखरा मिला और उन्हें चोरी का पता चला। एक ही रात में इतनी बड़ी चोरी की घटना सामने आने के बाद पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे।

शिकायतों के निस्तारण में पिछड़े बीडीओ

दो दिन में सुधार का अल्टीमेटम, कार्रवाई की चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी



उन्नाव। उन्नाव में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान आईजीआरएस में शिकायत-कर्ताओं के संतुष्टि स्तर में कमी मिलने पर उन्होंने कई खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) को कड़ी फटकार लगाई। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि यदि दो दिन के भीतर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने गंजमुरादा-बाद, सिकंदरपुर कर्ण, सिकंदरपुर सरोसी, सफीपुर, नवाबगंज और फतेहपुर चौरासी के खंड विकास अधिकारियों की खराब प्रगति पर विशेष नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्वामित्व योजना और कृषक दुर्घटना योजना के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने का भी निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी स्थिति में जिले की रैंकिंग नहीं गिरनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं वाले बिंदुओं पर गंभीरता से कार्य करने को कहा। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से सरकारी और गैर सरकारी विभागों की राजस्व वसूली की भी समीक्षा की गई। आबकारी, परिवहन, वन, मंडी और सिंचाई समेत राजस्व वसूली में पिछड़े विभागों की प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई।

केवल निस्तारण पर्याप्त नहीं

उन्होंने स्पष्ट किया कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का केवल निस्तारण पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी अत्यंत आवश्यक है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता से समझें और उसका गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद असंतुष्टि का स्तर बढ़ना चिंता का विषय है। संबंधित अधिकारी इसकी गहन समीक्षा कर कमियों को दूर करें और यह सुनिश्चित करें कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिले। इसके उपरांत, जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों से तहसीलवार राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की जानकारी ली। उन्होंने धारा 34, 24 और 116 से संबंधित मामलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अभियान चलाकर लंबित वादों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

6 दिन बाद आरोपी गिरफ्तार, घर में घुसकर किया था हमला

लड़की पर चाकू से हमला

तमसा संकेत, एजेंसी



हरदोई। हरदोई में 4 अगस्त की रात घर में घुसकर किशोरी पर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हमले में किशोरी और उसकी मां घायल हुई थीं। गंभीर हालत में किशोरी को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर, लखनऊ रेफर किया गया था। मामला बिलग्राम थाना क्षेत्र के बिरनी गांव का है। अंधेरा होने के बाद आरोपी ने किशोरी पर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से किशोरी चीखने लगी। उसकी आवाज सुनकर मां ने हमलावर को रोकने की कोशिश की और चाकू पकड़ लिया। इस दौरान उनकी उंगली गंभीर रूप से कट गई। किशोरी और उसकी मां के शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य भी जाग गए। इसी दौरान आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना डायल-112 और स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। किशोरी की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे हरदोई मेडिकल कॉलेज रेफर किया। वहां से बेहतर इलाज के लिए उसे केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर, लखनऊ भेज दिया गया। बिलग्राम कोतवाल विजय के मुताबिक, आरोपी लालाराम के खिलाफ बिलग्राम थाने में पहले से मारपीट, बलवा और आर्म्स एक्ट समेत तीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

तहरीर के बाद शुरू हुई जांच

किशोरी के परिजनों ने 8 अगस्त को बिलग्राम थाने में तहरीर दी थी। इसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और संदिग्ध की पहचान बिरनी गांव निवासी लालाराम पुत्र गंगाराम के रूप में की। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे पुलिस ने लालाराम को गिरफ्तार कर लिया।

परिजनों के मुताबिक, घटना के समय किशोरी अपनी मां जय देवी के साथ चारपाई पर सो रही थी। उसके पिता जीवाराम आंगन में दूसरी चारपाई पर सो रहे थे। आरोप है कि हमलावर घर में घुसा और वारदात से पहले बिजली काट दी।

तिरंगा यात्रा नियामतगंज से टिकैत नगर तक निकली

मंत्री सतीश शर्मा ने कई विकास योजनाओं का शिलान्यास किया

तमसा संकेत, एजेंसी



बाराबंकी। बाराबंकी में मंगलवार को नियामतगंज से टिकैत नगर तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने दोपहर 2 बजे क्षेत्र में करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लिए लोगों ने देशभक्ति के नारे लगाए। यह यात्रा नियामतगंज से शुरू होकर टिकैत नगर तक पहुंची। राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने स्वयं इस यात्रा में हिस्सा लिया। उनके साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक तिरंगा लेकर आगे बढ़े। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह लोगों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस दौरान बुलडोजर से तिरंगा यात्रा पर पुष्प वर्षा भी की गई, जिससे पूरे मार्ग पर देशभक्ति का माहौल बना रहा। समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री ने देशवासियों से राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से प्रगति कर रहा है और इसे विश्व गुरु बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने लोगों से आपसी एकता, भाईचारे और देश के विकास में योगदान देने की अपील की।

टीकाकरण के बाद छात्रा की हालत गंभीर

हरदोई। हरदोई जनपद के पिहानी ब्लॉक के समथरिया गांव में टीकाकरण के बाद एक 10 वर्षीय छात्रा की हालत गंभीर हो गई है। कक्षा 6 की छात्रा राधा को मेडिकल कॉलेज के पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (PICU) में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टर उसकी स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं।

शनिवार की दोपहर विद्यालय में टीका लगा था। मंगलवार की दोपहर 1:30 बजे छात्रा की बुआ रिंकी ने बताया कि लापरवाही के कारण उनकी भतीजी की तबीयत बिगड़ी है। रिंकी का आरोप है कि राधा को पहले से तेज बुखार था, इसके बावजूद उसे टीका लगा दिया गया। शनिवार से अब तक छात्रा की आंखें नहीं खुली हैं और न ही वह किसी से बात कर पा रही है। बाल रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मेघा गुप्ता ने बताया कि शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर छात्रा में 'एक्यूट एन्सेफलाइटिस' (तीव्र दिमागी बुखार) की पुष्टि हुई है। इस बीमारी में दिमाग में संक्रमण फैल जाता है। बच्ची को फिलहाल ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

कार्यक्रम : बाराबंकी में ब्रह्माकुमारीज़ ने चलाया जागरूकता अभियान

1200 छात्रों ने ली नशामुक्त जीवन की शपथ

तमसा संकेत, एजेंसी



बाराबंकी। युवाओं को नशे की लत से बचाने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से मंगलवार को नशा मुक्ति जागरूकता एवं प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में करीब 1200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान की जानकारी दी गई और सभी ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के देशव्यापी '10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महा अभियान' के तहत आयोजित किया गया।

1200 विद्यार्थियों ने ली नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ स्कूल के शिक्षक और अन्य स्टाफ सदस्य भी शामिल हुए। सभी ने एक साथ देश को नशामुक्त बनाने और स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा ली। प्रतिज्ञा कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में युवाओं की सहभागिता ने अभियान के उद्देश्य को मजबूती प्रदान की।

राजयोग मेडिटेशन बना कार्यक्रम का आकर्षण

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण राजयोग मेडिटेशन सत्र रहा। विद्यार्थियों को ध्यान का अभ्यास कराया गया और उन्हें एकाग्रता बढ़ाने, मानसिक शांति प्राप्त करने तथा सकारात्मक सोच विकसित करने के तरीके बताए गए। प्रतिनिधियों ने कहा कि नियमित ध्यान और सकारात्मक जीवनशैली युवाओं को तनाव तथा नकारात्मक आदतों से दूर रखने में मददगार हो सकती है। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने और जीवन में अनुशासन को महत्व देने के लिए प्रेरित किया गया।



युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के प्रतिनिधियों ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल जागरूकता कार्यक्रमों से नहीं, बल्कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से संभव है। युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें नशे से बचाना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाकर स्वस्थ, संस्कारवान और व्यसनमुक्त समाज की नींव मजबूत करना है।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले विभिन्न प्रकार के नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके मानसिक संतुलन, पारिवारिक जीवन, शिक्षा और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करती है।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही

12 अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोका

तमसा संकेत, एजेंसी



बाराबंकी। बाराबंकी में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर मंगलवार को सख्त कार्रवाई की है। समीक्षा के दौरान कुल 59 शिकायतें लंबित पाई गईं, जिनमें 7 अगस्त तक डिफाल्टर और 11 अगस्त को डिफाल्टर होने वाली शिकायतें शामिल थीं। इस पर डीएम ने विभिन्न विभागों के 12 अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया है। जांच में कृषि विभाग में सर्वाधिक 23 शिकायतें लंबित मिलीं। इसके अतिरिक्त, महिला कल्याण विभाग में 8 और राजस्व एवं आपदा विभाग में 17 शिकायतें निर्धारित समय में निस्तारित नहीं हो पाई थीं। इनमें रामसनेहीघाट और फतेहपुर तहसील से संबंधित मामले भी शामिल हैं। विद्युत विभाग के अधिकारियों के स्तर पर भी 6 संदर्भ समय सीमा के भीतर निस्तारित नहीं किए गए। सिंचाई, चकबंदी, जल निगम और खाद्य एवं विपणन विभाग में भी शिकायतें लंबित पाई गईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में हुई देरी का कारण बताते हुए तीन दिन के भीतर तथ्यात्मक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईजीआरएस पर प्राप्त जनशिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डीएम ने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि जांच में लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

छात्र हित की अनदेखी



जब किसी समस्या-शिकायत पर समय रहते सही तरह ध्यान नहीं दिया जाता, तब उसके कैसे नतीजे होते हैं, यह पहले दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान देखने को मिला और फिर रांची में छात्रों के विधानसभा मार्च में। दिल्ली की तरह रांची में पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा, क्योंकि भीड़ पुलिस बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ रही थी। निःसंदेह रांची में छात्रों की भीड़ की तुलना जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में जुटी भीड़ से नहीं की जा सकती, क्योंकि दिल्ली में भीड़ में कुछ अराजक तत्व भी शामिल थे। इसके बावजूद इस तथ्य को भी अनदेखा न किया जाए कि पुलिस के पास उस समय बल प्रयोग के अलावा और कोई चारा नहीं रहता, जब कोई समूह किसी निषिद्ध क्षेत्र में जाने की जबरन कोशिश करता है। समस्या यह है कि जब तक कोई आंदोलनरत समूह शांतिपूर्ण रहता है, तब तक सरकारें उसकी परवाह नहीं करतीं। दिल्ली में संसद मार्च और रांची में विधानसभा के घेराव की नौबत नहीं आती, यदि दोनों जगह सरकारें समय पर सक्रियता और संवेदनशीलता दिखातीं।

रांची में राज्य सरकार की ओर से आयोजित परीक्षाओं में अनियमितता को लेकर झारखंड के छात्र 15 दिनों से अधिक समय से धरना-प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली सरकार तब चेती, जब उसे लगा कि आक्रोशित छात्रों की संख्या बढ़ती जा रही है और वे अपनी मांगों से पीछे हटने वाले नहीं है। उसने छात्रों के दबाव में उनके प्रतिनिधियों से वार्ता करके यह दावा किया कि उनकी 98 प्रतिशत मांगें मान ली गई हैं, लेकिन छात्र इस दावे को नकार रहे हैं, क्योंकि परीक्षाओं में धांधली की सीबीआइ जांच की उनकी मांग नहीं मानी गई। समझना कठिन है कि जब राज्य सरकार परीक्षाओं में धांधली की जांच कर ही रही है और प्रथमदृष्टया यह सिद्ध हो गया है कि परीक्षाओं में अनियमितता हुई, तब फिर उसे इसकी जांच सीबीआइ से कराने में क्या हर्ज है? यदि केंद्र सरकार कॉकरोच जनता पार्टी के दबाव में शिक्षा मंत्री का त्यागपत्र ले सकती है, तो झारखंड सरकार परीक्षाओं में गड़बड़ी की सीबीआइ जांच की तार्किक मांग मानने से क्यों इन्कार कर रही है? पता नहीं क्यों सरकारें यह समझने के लिए आसानी से तैयार नहीं होतीं कि जायज मांगों के प्रति केवल संवेदनशील दिखना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि कुछ ठोस कदम भी उठाने पड़ते हैं। इससे ही आक्रोश शांत होता है और पीड़ित लोगों में न्याय मिलने का भरोसा पैदा होता है। यदि झारखंड सरकार छात्रों का भरोसा हासिल नहीं कर सकी तो इसके लिए वही जिम्मेदार है। वह इसके लिए भी जिम्मेदार है कि छात्रों के आंदोलन को लेकर दलगत राजनीति शुरू हो गई और पुलिस बल प्रयोग भी एक मुद्दा बन गया।

युवा शक्ति को मिले दिशा सपनों को मिले उड़ान



युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-'विभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ।' यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं। दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निर्माता बनाना होगा। युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित हों, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें। आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है। आज की युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की कमी भी एक चुनौती है। बुजुर्ग अनुभव के प्रतीक हैं और युवा ऊर्जा के। अनुभव यदि ऊर्जा से नहीं जुड़ेगा तो वह जड़ हो सकता है और ऊर्जा यदि अनुभव से नहीं जुड़ेगी तो दिशाहीन हो सकती है। इसलिए आवश्यकता है अंतरपीढ़ी संवाद की। परिवारों, संस्थाओं और सरकारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें युवा नई सोच प्रस्तुत करें और वरिष्ठ पीढ़ी अपने अनुभव से उनका मार्गदर्शन करे। अनुभव और ऊर्जा का यह समन्वय राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकता है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में युवा आंदोलन हो रहे हैं। युवाओं की आवाज सत्ता और व्यवस्था तक पहुँच रही है। भारत में भी समय-समय पर युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं और असंतोष को आंदोलन का रूप दिया है। लेकिन युवा आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता तब होगी जब वह केवल विरोध की आवाज न रहकर विकल्प की आवाज बने। युवा कहे कि हमें केवल शिकायत नहीं करनी, समाधान भी देना है। हमें केवल रोजगार नहीं चाहिए, रोजगार सृजित करने की क्षमता भी चाहिए। हमें केवल अधिकार नहीं चाहिए, हम जिम्मेदारियाँ भी निभाएँगे। हम केवल सत्ता बदलने नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने आए हैं। यही युवा आंदोलन की नई परिभाषा हो सकती है। जोश उसे सपने दिखाए और विवेक उन सपनों को यथार्थ में बदले। जोश उसे संघर्ष करना सिखाए और करुणा उसे मनुष्य से जोड़े। स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा, सुकरात की प्रश्नाकुलता, महात्मा गांधी की करुणा और डॉ. कलाम के सपनों का समन्वय आज के युवा के व्यक्तित्व में होना चाहिए। दुनिया के युवाओं से यह कहना आसान है कि बड़े सपने देखो, लेकिन केवल सपने देखने के लिए कहना पर्याप्त नहीं है। सपनों को आकार देने के लिए अवसरों की संरचना भी करनी होगी।

ललित गर्ग

> **66**
> **यौवन अपने आप में उपलब्धि नहीं है। युवकत्व चेतना की अवस्था है। चेहरे पर जवानी हो और विचारों में जड़ता हो तो यौवन अधूरा है। ऊर्जा हो लेकिन दिशा न हो तो वही ऊर्जा संकट बन सकती है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को दो चीजों की सबसे अधिक आवश्यकता है- जोश और होश। जोश उसे ऊँचा उड़ाए और होश उसे सही दिशा दे।**

मेरे विचार से ... — कमलेश पांडेय

सामाजिक न्याय भी चाहिए, प्रतिभा का न्याय भी !

आरक्षण की राजनीति से आगे बढ़े भारत



भारत में आरक्षण पर बहस जितनी पुरानी है, उतनी ही अधूरी भी। हर कुछ वर्षों में देश दो खेमों में बंट जाता है—एक तरफ वे लोग होते हैं जो आरक्षण को सामाजिक न्याय की अनिवार्य व्यवस्था मानते हैं और दूसरी तरफ वे लोग जो इसे प्रतिभा, प्रतिस्पर्धा और समान अवसर के विरुद्ध बताते हैं। लेकिन क्या भारत की जटिल सामाजिक वास्तविकता को इतनी आसानी से दो खानों में बांटा जा सकता है?जवाब होगा, शायद नहीं।

मसलन आज आवश्यकता इस बात की है कि आरक्षण को न तो पवित्र राजनीतिक प्रतीक मानकर हर सवाल से ऊपर रखा जाए और न ही देश की तमाम समस्याओं का कारण बताकर खारिज कर दिया जाए। आरक्षण की समीक्षा, उसके राजनीतिक दुरुपयोग, क्रीमी लेयर, वास्तविक वंचितों तक लाभ की पहुंच, प्रतिभा और समान अवसर—इन सभी पर खुली और तथ्यपरक बहस होनी चाहिए।

मेरी स्पष्ट सलाह है कि हमारे राजनेतागण, नौकरशाह, न्यायविद और पेशेवर बुद्धिजीवीगण इस सुलगते सवाल पर संतुलित और निष्पक्ष नजरिया अपनाएं। यही लोकतांत्रिक सामाजिक न्याय है। आपलोग एकजुटता दिखाकर आरक्षित समाज के आभिजात्य वर्गों (क्रीमीलेयर) के हितों को संरक्षित करने से बाज आएं, अन्यथा भारत को इसकी बहुत बड़ी कीमत अबतक चुकानी पड़ी है और आगे भी चुकानी पड़ेगी। भारतीय संविधान ने समानता को केवल कागज पर घोषित नहीं किया। संविधान निर्माताओं ने यह समझा कि सदियों की सामाजिक वंचना के बाद केवल यह कहना पर्याप्त नहीं होगा कि "अब सब बराबर हैं।" लिहाजा, जिस व्यक्ति को शिक्षा से दूर रखा गया, जिसे सार्वजनिक संस्थानों में प्रतिनिधित्व नहीं मिला, जिसे सामाजिक भेदभाव झेलना पड़ा— उसे उसी शुरुआती बिंदु पर खड़ा कर देना जहां पहले से सुविधासंपन्न व्यक्ति खड़ा है, वास्तविक समानता नहीं हो सकती। इसीलिए संविधान ने राज्य को विशेष प्रावधान और आरक्षण की व्यवस्था करने की गुंजाइश दी। अनुच्छेद 15 और 16 समानता तथा विशेष प्रावधानों के संवैधानिक ढांचे का हिस्सा हैं। इसलिए आरक्षण की आवश्यकता के मूल कारण को नकारना इतिहास और संविधान—दोनों के साथ अन्याय होगा। जबकि व्यक्तिगत आरक्षण को जातीय, भाषाई और साम्प्रदायिक मिजाज का जो अमलीजामा पहनाया गया, परिवार विशेष के ही लाभान्वित होते रहने की जो राह छोड़ी गई, वह आपत्तिजनक है।

लेकिन सवाल यह है कि क्या सात दशक से अधिक समय बाद इस व्यवस्था की समीक्षा नहीं होनी चाहिए? क्या समीक्षा के दौरान राजनेता गण पूर्वाग्रह रहित रह पाते हैं? जब इसके प्रबल समर्थक डॉ भीमराव अंबेडकर ही पलायनवादी साबित हुए, हिन्दू धर्म को छोड़कर बौद्ध धर्म अपना लिया, तो फिर ऐसे व्यक्ति के बनाए नियमों को हर दस साल बाद अग्रसारित कर दिया जाना किंकर्तव्यविमूढ़ता नहीं तो क्या है? ओबीसी आरक्षण में क्रीमीलेयर हो, ईडब्ल्यूएस आरक्षण में क्रीमीलेयर हो, लेकिन एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर नहीं हो, यही मोदी सरकार का पक्षपात नहीं तो क्या है?

मेरे विचार से आरक्षण की समीक्षा का अर्थ आरक्षण समाप्त करना नहीं, बल्कि आरक्षण की समीक्षा की मांग को तुरंत "आरक्षण विरोध" कहना भी उतना ही गलत है जितना आरक्षण के पक्ष में उठने वाली हर आवाज को "वोट-बैंक की राजनीति" कहना। हर सार्वजनिक नीति की समीक्षा होनी चाहिए। सरकार को पूछना चाहिए— किस वर्ग को कितना लाभ मिला? कौन-से समुदाय अभी भी सबसे पीछे हैं? कौन-से परिवार लगातार पीढ़ियों से आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं? क्या सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा में वास्तविक प्रतिनिधित्व बढ़ा है? क्या आरक्षण से सामाजिक गतिशीलता पैदा हुई है? और सबसे महत्वपूर्ण—क्या आरक्षण का लाभ उस व्यक्ति तक पहुंच रहा है जिसके लिए यह व्यवस्था बनाई गई थी? इन प्रश्नों का उत्तर आंकड़ों से मिलना चाहिए, नारों से नहीं।

राज्य सरकार ... — डॉ0 सीमा गुप्ता

मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना बनी पारंपरिक शिल्प के पुनरुद्धार और स्वरोजगार का सशक्त माध्यम

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित स्वरोजगारपरक योजनाएं युवाओं की आकांक्षाओं को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। पारंपरिक कारीगरों एवं माटीकला से जुड़े शिल्पकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। इसी संकल्प को धरातल पर उतारने का कार्य माटीकला रोजगार योजना के माध्यम से किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

राज्य सरकार की इस प्रेरणादायी एवं दूरदर्शी पहल के अंतर्गत पारंपरिक उद्योगों को नई पहचान देने तथा स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने का कार्य निरंतर जारी है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर तथा स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के जनपदों में अनेक युवा आज सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं।

कानपुर देहात जनपद के ग्राम अण्डवां (पोस्ट हांसेमऊ) के निवासी श्री आशीष प्रजापति की सफलता इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष उदाहरण है। इंटरमीडिएट तक की शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत पारिवारिक एवं आर्थिक परिस्थितियों के कारण उन्हें मजदूरी का कार्य करना पड़ रहा था। सीमित आय के कारण परिवार का भरण-पोषण तो हो रहा था, किंतु स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने का उनका सपना अधूरा था। इसी दौरान समाचार पत्र के माध्यम से श्री आशीष प्रजापति को माटीकला रोजगार योजना की जानकारी प्राप्त हुई। योजना से प्रेरित होकर उन्होंने जनपद स्तरीय ग्रामोद्योग एवं माटीकला कार्यालय से संपर्क स्थापित किया। विभागीय अधिकारियों एवं स्थानीय प्रशासन के उचित मार्गदर्शन तथा सहयोग से संबंधित बैंक शाखा से 5 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया। इसके साथ ही योजना के प्राविधानों के अनुसार टर्म लोन पर 25 प्रतिशत अनुदान का लाभ भी प्रदान किया गया।

वित्तीय सहायता प्राप्त होने के उपरांत श्री आशीष प्रजापति ने अपनी कुम्हारी कला निर्माण इकाई की स्थापना की। वर्तमान में इस इकाई द्वारा हुंडा, दीये, गुल्लक, मटका, सुराही सहित मिट्टी से निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। इन उत्पादों की आपूर्ति एवं बिक्री जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक की जा रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं को बेहतर बाजार मिल रहा है।

वित्तीय संस्थान से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री आशीष प्रजापति के ऋण खाते का संचालन नियमित एवं संतोषजनक ढंग से किया जा रहा है। व्यवसाय की सफलता ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाया है, बल्कि उनके परिवार के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। वर्तमान में इकाई का संचालन सुचारू रूप से चल रहा है और इसके विस्तार की योजना पर कार्य किया जा रहा है। श्री आशीष प्रजापति के अनुसार, यदि राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का संबल प्राप्त न हुआ होता, तो वे आज भी असंगठित क्षेत्र में कार्य करते हुए संघर्ष कर रहे होते।

भारतीय शास्त्रीय संगीत को जन-जन तक पहुँचाने वाले महान संगीत मनीषी पंडित भातखंडे

आज संगीत के उस महान साधक की जयंती है, जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को राजा-महाराजाओं के दरबारों और चुनिंदा घरानों की बंद दीवारों से निकालकर आम लोगों के बीच पहुँचाया। पंडित विष्णु नारायण भातखंडे जी केवल एक विद्वान नहीं थे, बल्कि वे संगीत की दुनिया के वो सच्चे पथप्रदर्शक थे, जिन्होंने बिखरे हुए और जटिल शास्त्रीय संगीत को एक नया रूप और नया जीवन दिया। उनके बिना आज के समय में शास्त्रीय संगीत को समझना और सीखना लगभग नामुमकिन होता। एक जमाना था जब संगीत सिखाने का कोई तय नियम या ढांचा नहीं होता था। हर घराना अपनी बंदिशों और बारीकियों को एक रहस्य की तरह छिपाकर रखता था, जिससे आम इंसान के लिए संगीत सीखना बहुत मुश्किल था। पंडित भातखंडे जी ने इस स्थिति को बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने महसूस किया कि अगर इस विद्या को लिखित रूप में संजोया नहीं गया, तो हमारी यह अनमोल विरासत धीरे-धीरे गुम हो जाएगी। इसी सोच के साथ वे देश के कोने-कोने में घूमे। वे पुराने उस्तादों और गायकों से मिले, उनसे संगीत की पुरानी बंदिशें सीखीं और उन्हें पहली बार कागज़ पर लिखा ताकि आने वाली पीढ़ियाँ उन्हें आसानी से पढ़ और समझ सकें। उन्होंने संगीत को सरल और सुलभ बनाने के लिए 'दस थाट' की पद्धति बनाई, जिससे रागों को समझना और उनका वर्गीकरण करना बहुत आसान हो गया। इसके साथ ही उन्होंने कई किताबें लिखीं और संगीत की शिक्षा को एक नया ढांचा दिया। उन्होंने महसूस किया कि संगीत को अगर हमेशा के लिए जीवित रखना है तो बड़े-बड़े कॉलेज और संस्थान खोलने होंगे। इसी सोच के साथ उन्होंने लखनऊ में 'मैरिस म्यूजिक कॉलेज' की स्थापना में मुख्य भूमिका निभाई, जिसे आज हम 'भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय' के नाम से जानते हैं। आज पंडित भातखंडे जी के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें याद करना दरअसल उस सोच को नमन करना है, जिसने संगीत को किसी एक वर्ग की जागीर नहीं रहने दिया, बल्कि उसे हर साधारण घर का हिस्सा बनाया। आज अगर हमारी नई पीढ़ी आसानी से राग, ताल और बंदिशें सीख पा रही है, तो इसका सबसे बड़ा श्रेय पंडित भातखंडे जी की तपस्या को ही जाता है। संगीत की यह पावन धारा हमेशा उनकी ऋणी रहेगी।

डॉ. दीपशिखा पांडेय

जरा हटके

परियोजना में ... — केवल से0नि0 सूचना अधिकारी

जनपद इटावा के सुमेर सिंह का किला बनेगा ईको टूरिज्म का नया केन्द्र

उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में अब पर्यटन केवल ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विकास का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से विकसित करते हुए उन्हें विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार का पर्यटन विभाग जनपद इटावा स्थित ऐतिहासिक सुमेर सिंह किला क्षेत्र को आकर्षक ईको टूरिज्म केन्द्र के रूप में विकसित कर रहा है। लगभग 1.44 करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 1.08 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। इस परियोजना का उद्देश्य किले की ऐतिहासिक गरिमा को सुरक्षित रखते हुए पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना तथा पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना है।

राजा सुमेर सिंह किला क्षेत्र के विकास कार्यों में प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक स्वरूप को विशेष महत्व दिया गया है। परियोजना के अंतर्गत लगभग 400 वर्गमीटर क्षेत्र में ग्रीन पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे, जिससे वर्षा जल का बेहतर संरक्षण होगा और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही बैठने के स्थानों के आसपास व्यापक पौधरोपण कर पूरे परिसर को हरित एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जाएगा। पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए किले के अग्रभाग में मजबूत सुरक्षा दीवार तथा आकर्षक रेलिंग का निर्माण कराया जाएगा, जिससे ऐतिहासिक धरोहर सुरक्षित रहने के साथ-साथ आगंतुकों का भ्रमण भी अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित रहे।

इस परियोजना के तहत पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं का भी विकास किया जा रहा है। परिसर में अत्याधुनिक फूड कोर्ट विकसित किए जाएंगे, जहाँ पर्यटक स्थानीय व्यंजनों का आनंद प्राकृतिक वातावरण के बीच ले सकेंगे। साथ ही स्टोन साइनेज, बीम आधारित बेंच तथा अन्य जनसुविधाएँ विकसित की जाएंगी, जिससे आगंतुकों को स्थल के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व की विस्तृत जानकारी सहज रूप से प्राप्त हो सके। स्थानीय कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आकर्षक श्री पेंटिंग वॉल तैयार की जाएगी तथा भव्य प्रवेश द्वार पूरे परिसर को नई पहचान प्रदान करेगा। इससे यह स्थल केवल पर्यटन केन्द्र ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन का भी महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

परियोजना में पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। परिसर में एफआरपी बायो-डाइजेस्टर लगाए जाएंगे, जिससे अपशिष्ट प्रबंधन वैज्ञानिक एवं स्वच्छ तरीके से किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त सोलर लाइटों की स्थापना से ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और रात्रिकाल में भी पूरा परिसर सुरक्षित एवं प्रकाशमान रहेगा। यह पहल उत्तर प्रदेश सरकार की हरित विकास नीति का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को समान महत्व दिया गया है।

यूपी कौशल विकास मिशन : युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी पहल

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और जनसंख्या बहुल राज्य में युवाओं की बड़ी आबादी राज्य की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि इस युवा शक्ति को सही दिशा, प्रशिक्षण और अवसर मिले तो यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से यूपी कौशल विकास मिशन की शुरुआत की। यह मिशन राज्य के युवाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार और तकनीकी दक्षता का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। यूपी कौशल विकास मिशन की उपलब्धियों पर दृष्टि डालें तो इसके सकारात्मक परिणाम स्पष्ट दिखाई देते हैं। वर्ष 2017-18 से मार्च 2025 तक मिशन के अंतर्गत लगभग 14.13 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है तथा 5.66 लाख से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराने में सहायता मिली है। इसके अतिरिक्त विभिन्न 40 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से 77 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए। यह आंकड़े इस मिशन की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं।

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षिक डिग्री पर्याप्त नहीं मानी जाती, बल्कि रोजगार के लिए तकनीकी कौशल, व्यावसायिक दक्षता और व्यवहारिक ज्ञान भी आवश्यक हो गया है। बड़ी संख्या में ऐसे युवा है, जो पढ़े-लिखे होने के बावजूद रोजगार से वंचित रह जाते हैं क्योंकि उनके पास बाजार की मांग के अनुरूप कौशल नहीं होता। इसी अंतर को समाप्त करने के लिए यूपी कौशल विकास मिशन की स्थापना की गई, ताकि युवाओं को उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा सके और उन्हें रोजगार योग्य बनाया जा सके।

मिशन के अंतर्गत प्रदेश में 2,800 से अधिक प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इन प्रशिक्षण केंद्रों में सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिटेल, स्वास्थ्य सेवा, ऑटोमोबाइल, निर्माण कार्य, ब्यूटी एवं वेलनेस, सिलाई-कढ़ाई, फूड प्रोसेसिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, पर्यटन, आतिथ्य सेवा, प्लंबिंग, विद्युत कार्य तथा कृषि आधारित गतिविधियों जैसे अनेक क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाता है। इस मिशन की एक बड़ी विशेषता यह है कि प्रशिक्षण केवल सैद्धांतिक नहीं बल्कि व्यवहारिक और उद्योग आधारित होता है।

आदर अदीब पावेल बन्धु

रनवे में आई अचानक गड़बड़ी, कई फ्लाइट्स डायवर्ट, काउंटर पर यात्रियों की भीड़ लगी

काशी में हवा में चक्कर लगाता रहा विमान, वापस लौटा

डायवर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में मंगलवार दोपहर एयरपोर्ट के रनवे में अचानक खराबी आ गई। एयरपोर्ट प्रबंधन ने तत्काल रनवे को बंद कर सभी फ्लाइट्स को डायवर्ट करना शुरू किया। इस दौरान दिल्ली से आई इंडिगो की फ्लाइट (6E-5025) करीब आधे घंटे तक आसमान में चक्कर लगाती रही, लेकिन उसे लैंडिंग की इजाजत नहीं मिली। बाद में फ्लाइट को अयोध्या डायवर्ट कर दिया गया। ऐसे ही इंडिगो की अहमदाबाद से आ रही फ्लाइट (6E-6805) और नवी मुंबई से आ रही फ्लाइट (6E-2442) को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। अयोध्या, दिल्ली और लखनऊ से वाराणसी के लिए उड़ान भरने वाली तीन फ्लाइट्स को वहीं रोक दिया गया। सूचना





मिलते ही एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई। एयरलाइंस के काउंटर पर यात्रियों की भीड़ लग गई। डायवर्ट हुई फ्लाइट्स के यात्रियों को लेने पहुंचे परिजन काफी परेशान दिखे। फोन कर उनका हाल-चाल जानते रहे। हालांकि, रनवे में किस तरह की खराबी आई थी, इसकी आधिकारिक जानकारी एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से अब तक जारी नहीं की गई है।

रनवे 4,000 मीटर से ज्यादा लंबा किया जा रहा

वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तार का काम करीब 2,870 करोड़ रुपए की लागत से चल रहा है। इसके तहत नई और बड़ी टर्मिनल बिल्डिंग बनाई जा रही है। इससे एयरपोर्ट की यात्री क्षमता बढ़ेगी। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

प्रोजेक्ट के तहत मौजूदा 2,750 मीटर लंबे रनवे को बढ़ाकर 4,000 मीटर से ज्यादा किया जा रहा है। इससे बड़े विमानों की आवाजाही आसान होगी। इसके अलावा एयरपोर्ट पर देश का पहला रनवे अंडरपास (टनल) भी बनाया जा रहा है।

पायलट ने एटीसी को दी सूचना, अधिकारी तुरंत सक्रिय हुए

- वाराणसी एयरपोर्ट के निदेशक पुनीत गुप्ता ने बताया कि मंगलवार दोपहर एक फ्लाइट के लैंड होने के बाद पायलट ने एटीसी को रनवे पर गड़बड़ी के बारे में बताया। इसके बाद एयरपोर्ट की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जो विमान वाराणसी के हवाई क्षेत्र में पहुंच चुके थे, उन्हें डायवर्ट किया गया।
- उन्होंने बताया- वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (बाबतपुर) पर रनवे के विस्तार का काम चल रहा है। ऐसे रात में रनवे बंद रहता है। सिर्फ दिन में ही विमानों का संचालन किया जाता है। रात में काम के दौरान ही कुछ सामान रनवे पर आ गया था। इसे हटाने और रनवे की सफाई का काम कराया जा रहा है।
- एयरपोर्ट प्रशासन ने पहले दोपहर 3 बजे से उड़ानों का संचालन शुरू होने की बात कही थी, लेकिन निर्धारित समय तक सफाई पूरी नहीं हो सकी। इसके चलते 3 बजे के बाद भी विमानों की लैंडिंग शुरू नहीं हुई है। एयरपोर्ट प्रशासन की टीम रनवे को जल्द से जल्द साफ करने में जुटी है।

वाल्मीकि शोभायात्रा की कमान अंशु आर्या को

अभिजीत स्वागत समिति अध्यक्ष, 26 अक्टूबर को बरेली में भव्य शोभायात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी



बरेली। बरेली में महर्षि भगवान वाल्मीकि के प्रकटोत्सव पर निकलने वाली शोभायात्रा की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को प्रेमनगर स्थित प्राचीन भगवान वाल्मीकि आश्रम में हुई बैठक में शोभायात्रा की व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। इस दौरान अंशु आर्या को एक बार फिर आयोजन की कमान सौंपी गई, जबकि अभिजीत कठेरिया 'गोलू' को स्वागत समिति का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में समाज के पूर्व और वर्तमान अध्यक्षों, संरक्षकों, संयोजकों, स्वागत अध्यक्षों सहित विभिन्न प्रतिनिधि और गणमान्य समाजबंधु उपस्थित थे। चर्चा के बाद सर्वसम्मति से अंशु आर्या को भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा प्रबंध समिति का अध्यक्ष चुना गया। अभिजीत कठेरिया 'गोलू' को स्वागत समिति का अध्यक्ष बनाया गया। दोनों पदाधिकारियों के नामों की घोषणा के बाद उपस्थित लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। बैठक में पदाधिकारियों ने शोभायात्रा को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की। यह भी तय किया गया कि महर्षि भगवान वाल्मीकि के प्रकटोत्सव के अवसर पर 26 अक्टूबर, सोमवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। पदाधिकारियों ने शोभायात्रा के मार्ग, स्वागत, व्यवस्था, अनुशासन और अन्य जिम्मेदारियों पर विचार-विमर्श किया।

फास्ट न्यूज

प्रधान पर रेप की कोशिश का आरोप

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के धनपतगंज थाना क्षेत्र में ग्राम प्रधान और उसके साथियों के खिलाफ एक महिला से दुष्कर्म के प्रयास, अवैध संबंध बनाने का दबाव डालने, मारपीट करने और उसके पति का अपहरण कर जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगा है। धनपतगंज थाना क्षेत्र की निवासी पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव का प्रधान आलोक मिश्रा उर्फ खुशबू उस पर अवैध संबंध बनाने का दबाव बना रहा था।

अतीक के करीबियों ने टोल गेट तोड़ा, दबंगई का सीसीटीवी

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के बड़े बेटे उमर से जुड़ा एक और विवाद सुर्खियों में है। उमर के करीबियों ने टोल प्लाजा पर दबंगई और गुंडई दिखाई, जिसका CCTV सामने आया है। असल में अतीक के छोटे बेटे अबान की मौत के बाद सुपुर्द-ए-खाक में शामिल होने के लिए लखनऊ जेल से उमर को प्रयागराज लाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस वैन के पीछे अतीक-उमर के समर्थक 30 से ज्यादा गाड़ियों का काफिला लेकर चले। काफिले की गाड़ियां नवाबगंज टोल प्लाजा पहुंचीं तो टोल के लिए रोका गया।

वाराणसी कोर्ट में 25 हजार के इनामी छात्रनेता का सरेंडर

वाराणसी। वाराणसी की लंका पुलिस को चकमा देकर 25 हजार के इनामी छात्रनेता ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। छात्र नेता पुलिस की आंखों के सामने से गुजरकर पहले वकील के चेंबर और कोर्ट रूम तक पहुंच गया। बिहार निवासी आरोपित छात्र नेता क्षितिज उपाध्याय ने जज के सामने खुद को बेगुनाह बताया। एसीजेएम (नवम) अमित कुमार यादव की अदालत में अधिवक्ता अनुज यादव व चंद्रबली पटेल के जरिए आत्मसमर्पण कर दिया।

पानी में लेट-लेटकर मंदिर पहुंचे भक्त

ढाई फीट के युवक ने उठाई कांवड़, दादा को तराजू में लेकर निकले पोते

तमसा संकेत, एजेंसी



वाराणसी। आज सावन की शिवरात्रि है। यूपी के शिव मंदिरों में सुबह से ही शिवभक्त जलाभिषेक कर रहे हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर में सुबह 4 बजे से भक्तों और कांवड़ियों की 2 KM लंबी लाइन लगी है। अब तक 1 लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर चुके हैं। मेरठ के बाबा औघड़नाथ मंदिर में भी 2 KM लंबी कतार लगी है। इधर, पश्चिमी यूपी की सड़कों पर कांवड़ियों की भीड़ बढ़ती जा रही है। कोई हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहा है, तो कोई जल लेने जा रहा है। बागपत के ढाई फीट लंबे चीनू कश्यप ने कांवड़ उठाई है। 26 साल के चीनू ने हरिद्वार से गंगा जल भरा और बागपत के शिव मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। सहारनपुर में 95 साल के दादा को उनके 5 पोते तराजू में बैठाकर कांवड़ यात्रा पर निकले हैं। तराजू के दूसरे पलड़े में दादा के वजन के बराबर 45 लीटर गंगाजल रखा गया है। पांचों पोते बारी-बारी से कांवड़ लेकर चल रहे हैं। संभल में बारिश से भरी सड़क पर लेटकर भक्त सिद्धपीठ श्रीपातालेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे और जलाभिषेक किया। वाराणसी में गंगा घाट जाने वाली गलियां श्रद्धालुओं से खचाखच भरी हैं। एडीसीपी वैभव बांगर ने बताया कि गलियों के रास्ते श्रद्धालुओं को भेजा जा रहा है। किसी गली में भीड़ ज्यादा होने पर कुछ देर श्रद्धालुओं को रोक दिया जाता है। भीड़ नियंत्रित करने के लिए गलियों में कई जगह बैरिकेडिंग भी की गई है।

शामली में बारिश के बीच कांवड़ियों का रेला, पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात

शामली में मंगलवार को बारिश के बीच पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात नजर आए। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे डाक कांवड़िए लगातार चौराहे से होकर अपने गंतव्य की ओर गुजर रहे हैं। बारिश के बावजूद पुलिसकर्मी कांवड़ियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संभालने में जुटे रहे।

काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर से अपडेट दे रहे भास्कर रिपोर्टर अनुज

बाबा विश्वनाथ मंदिर में सावन शिवरात्रि पर सबसे ज्यादा कांवड़िए प्रयागराज से जल लेकर काशी पहुंचे। मंदिर प्रशासन ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं को परिसर में प्रवेश करा रहा है। मंदिर मार्ग को अभी भी वन-वे जोन बनाया गया है। गोदौलिया चौक से गंगा घाट और मंदिर मार्ग पर किसी भी वाहन की आवाजाही नहीं हो रही है। नोएडा में मंगलवार को सावन की शिवरात्रि के चलते स्कूल-कॉलेज बंद हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि शासन के निर्देश पर मंगलवार को स्कूल-कॉलेज में छुट्टी घोषित की गई है।

कांग्रेस पर्यवेक्षक कुम्भालकर ने युवाओं से जुड़ने की अपील

सुल्तानपुर में 'संगठन सृजन अभियान' के तहत ब्लॉक स्तर पर होंगे कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी



सुलतानपुर। सुल्तानपुर में मंगलवार शाम 3 बजे कांग्रेस के 'संगठन सृजन अभियान' के पर्यवेक्षक नितिन कुम्भालकर, विक्रम सिंह पटेल और अनीस खान पहुंचे। उन्होंने एक निजी होटल में मीडिया से बातचीत की, जिसमें युवाओं के मुद्दों, 2027 के विधानसभा चुनावों और पार्टी की रणनीतियों पर चर्चा हुई। नितिन कुम्भालकर ने बताया कि देश में चल रहे 'Gen Z आंदोलन' और युवाओं से जुड़े मुद्दों, विशेषकर पेपर लीक और NEET परीक्षा धांधली पर संसद में सबसे पहले राहुल गांधी ने आवाज उठाई थी। उन्होंने कहा कि कोटा, देहरादून और प्रयागराज जैसी जगहों पर राहुल गांधी के संवाद से युवाओं और विद्यार्थियों में उम्मीद जगी है। कुम्भालकर के अनुसार, युवा राहुल गांधी की प्रामाणिकता और विचारों से जुड़ रहे हैं, जिसका सीधा फायदा कांग्रेस पार्टी को मिलेगा। कुम्भालकर ने उम्मीद जताई कि 2027 के चुनावों में यह युवा शक्ति कांग्रेस के पक्ष में निर्णायक साबित होगी। सुल्तानपुर अभियान में युवाओं की भागीदारी पर पूछे गए सवाल के जवाब में नितिन कुम्भालकर ने बताया कि पार्टी अब ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने क्षेत्र के सभी युवाओं से अपील की कि वे तय समय और स्थान पर आकर उनसे मिलें और अपने सुझाव दें। उनका मानना है कि यह फीडबैक पार्टी और युवाओं, दोनों के हित में होगा। आगामी चुनावों के मुख्य मुद्दों और राजनीतिक सवालों पर कुम्भालकर ने स्पष्ट किया कि वह 'संगठन सृजन अभियान' के पर्यवेक्षक के रूप में आए हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक सवालों के जवाब देना स्थानीय प्रभारियों और राष्ट्रीय सचिवों का काम है। उनका मुख्य ध्यान संगठन को मजबूत करने और अभियान को सफल बनाने पर केंद्रित है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा और शहर अध्यक्ष शकील अहमद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बी.टेक इंजीनियर ने 19 साल की लड़की को मार डाला

नोएडा में हॉस्टल के कमरे में लाश छिपाकर भागा

- महक अहमद अपनी सहेली संजना के साथ इसी पीजी में पहली मंजिल पर रहती थी।

तमसा संकेत, एजेंसी



नोएडा। नोएडा में बीटेक इंजीनियर ने 19 साल की लड़की की हत्या कर दी। लाश हॉस्टल में अपने कमरे में छिपा दी। फिर बाहर से ताला लगाकर भाग गया। 2 दिन बाद बदबू आने पर मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कमरे का ताला तोड़कर देखा, तो अंदर लाश पड़ी थी। उसके शरीर पर धारदार हथियार से कई बार हमला किया गया था। लड़की अपनी सहेली के साथ पेइंग गेस्ट (PG) में रह रही थी। वहीं, आरोपी बिहार का रहने वाला है। वह एक IT कंपनी में नौकरी करता था। लेकिन, अभी वह बेरोजगार है। वह भी उसी PG में किराए पर रहता था। 8 अगस्त को युवक से लड़की का कुछ झगड़ा हो गया था। वारदात सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के बरौला गांव की है। पुलिस ने मंगलवार को वारदात का खुलासा किया। मूलरूप से असम के डिब्रूगढ़ की रहने महक अहमद (19) ने 12वीं तक पढ़ाई की थी। करीब तीन सप्ताह पहले वह अपने माता-पिता को बिना बताए नोएडा आ गई थी। यहां वह अपनी सहेली संजना के साथ बरौला गांव स्थित पीजी में रह रही थी। संजना भी असम की रहने वाली है। उसकी उम्र 18 साल है। उसने अभी 12वीं की पढ़ाई भी पूरी नहीं की है।

स्कूल से लौटते वक्त स्कूटी को टक्कर मारकर गिराया, डंडों से पीटा, सिर पर पत्थर मारे

टीचर की 6 साल की बेटी के सामने पीट-पीटकर हत्या



आरोपियों ने इसी पिकअप से टीचर की स्कूटी में टक्कर मारी थी।

- आरोपियों ने टीचर को बेरहमी से पीटा, फिर सिर पर पत्थर पटक दिया।
- आरोपियों ने इसी पिकअप से टीचर की स्कूटी में टक्कर मारी थी।

तमसा संकेत, एजेंसी



ललितपुर। यूपी के ललितपुर में इंटर कॉलेज के टीचर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। टीचर स्कूल से 6 साल की बेटी के साथ लौट रहे थे। आरोपियों ने पिकअप से उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टीचर और उनकी बेटी सड़क पर गिर पड़े। टीचर बेटी को उठाने के लिए आगे बढ़े, तभी आरोपियों ने डंडे से ताबड़तोड़ वार किए और सिर पर पत्थर पटक दिया। टीचर को मरा समझकर आरोपी भाग गए। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान टीचर की मौत हो गई। घटना सोमवार दोपहर 3 बजे कचनौंदा थाना क्षेत्र की है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि टीचर के जीजा के घरवालों ने वारदात को अंजाम दिया।

पत्नी बोली- आरोपियों ने बेटी को भी पीटा

अभय लोधी झरकौन गांव के रहने वाले थे। उनकी पत्नी रजनी ने बताया कि सोमवार को अभय स्कूल में पढ़ाने के बाद 3 बजे बेटी भाग्यश्री के साथ स्कूटी से घर आ रहे थे। इसी बीच रास्ते में गढ़ाघाट पेट्रोल पंप के पास एक पिकअप ने उनकी स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से अभय की स्कूटी बेकाबू होकर गिर गई।

पिता-बेटी दोनों सड़क पर गिर गए। इसके बाद आरोपियों ने पति की बेरहमी से पिटाई की। बेटी भाग्यश्री ने जब चीखना-चिल्लाना शुरू किया तो आरोपियों ने उसे भी मारा। आसपास के लोगों ने देखा तो मौके पर पहुंचे।

'पति से रंजिश रखते थे उनके जीजा के घरवाले'

पत्नी ने बताया- पति की बहन मनीषा की शादी सेराई के रहने वाले रामकुमार से 2022 में हुई थी। मनीषा और उसका पति दोनों हम लोगों के साथ ललितपुर में रहते थे। 10 अप्रैल 2023 को रामकुमार शराब के नशे में पत्नी के साथ मारपीट करने के बाद घर से निकले थे। उन्होंने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद रामकुमार के भाई ने पति और मुझ पर हत्या कर शव कुएं में फेंकने का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज कराई थी। पुलिस की जांच में भी आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई थी। इसके बाद से ही रामकुमार के घर वाले अभय से रंजिश रखते थे।

बेटियां आगे बढ़ीं, बेटे क्या कर रहे : राज्यपाल

आजमगढ़ की सुहेलदेव यूनिवर्सिटी में टॉपर्स को सम्मानित किया

तमसा संकेत, एजेंसी



आजमगढ़। आजमगढ़ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बेटियों की तारीफ की और बेटों से सवाल किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेटियां आगे बढ़ रही हैं, बेटे क्या कर रहे हैं? राज्यपाल मंगलवार को महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होने आई थीं। इस दौरान उन्होंने स्टूडेंट्स को सफलता के मंत्र भी दिए। कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन व्यक्ति को शिखर तक पहुंचा सकता है। विश्वविद्यालय पहुंचने पर राज्यपाल का भव्य स्वागत किया गया। कुलपति प्रो. संजीव कुमार ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद राज्यपाल दीक्षांत समारोह के मंच पर पहुंचीं और कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। समारोह के मुख्य अतिथि पद्म विभूषण बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने भी अपने जीवन के अनुभव स्टूडेंट्स के साथ साझा किए राज्यपाल ने कहा कि यूनिवर्सिटी की 63,084 उपाधियों में से 42,724 उपाधियां बेटियों के नाम हैं। जबकि छात्र सिर्फ 20,360 हैं। ये प्रसन्नता की बात है कि बेटियां उच्च शिक्षा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। राज्यपाल का मंच से संबोधन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेटियां आगे बढ़ रहीं, बेटे क्या कर रहे हैं। तकनीक, नवाचार, एनीमेशन और एआई को बढ़ावा देना है। जब-जब बदलाव का दौर आता है तो

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र सौंपे और मेडल पहनाकर सम्मानित किया। समारोह में 74 टॉपर्स को 88 मेडल दिए गए। इनमें 20 कुलाधिपति और 68 कुलपति पदक शामिल हैं। मेडल पाने वालों में 26 छात्र और 48 छात्राएं हैं। इसके अलावा 11 स्नातक और 63 परास्नातक विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई।

चुनौतियां और अवसर आते हैं। जो सीखेगा वही आगे बढ़ेगा और वही जीतेगा। पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार का भी कोई कार्यक्रम करिए, ट्रेनिंग दिलवाइए। राज्यपाल का मंच से संबोधन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेटियां आगे बढ़ रहीं, बेटे क्या कर रहे हैं। तकनीक, नवाचार, एनीमेशन और एआई को बढ़ावा देना है। जब-जब बदलाव का दौर आता है तो आगे बढ़ेगा और वही जीतेगा। पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार का भी कोई कार्यक्रम करिए, ट्रेनिंग दिलवाइए।





'मोदी ने कहा था-बसें जलाओगे तो खर्चा वसूलेंगे'

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नागरिकों की जिम्मेदारी समझाने के लिए गुजरात दंगे का संस्मरण भी सुनाया। कहा कि वहां लोगों ने बसें जलाईं, सरकारी आवास तोड़े। आंदोलन होना चाहिए, लेकिन देश की सम्पत्ति का नुकसान नहीं होना चाहिए। इसलिए उस समय सीएम नरेंद्र भाई मोदी ने कहा कि भवन जलाओगे, बसें जलाओगे तो जितना खर्चा होगा सब वसूलेंगे।

'निरंतर अभ्यास शिखर तक पहुंचा सकता है'

राज्यपाल ने कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और उत्कृष्टता का संकल्प सार्थक और समृद्ध शिखर तक पहुंचा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि हर कोई किसी ने किसी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शिक्षाविदों से जुड़ा है। लेकिन उन्होंने क्या किया, इस बारे में कुछ नहीं जानते। मैंने हर यूनिवर्सिटी से कहा है कि लाइब्रेरी में ऐसे लोगों की 8-10 पुस्तकें रखें और स्टूडेंट्स को इन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। ऐसे लोगों के बारे में जानने से प्रेरणा मिलती है।

डीएम ऑफिस जा रहे 300-बच्चों को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ा

हमीरपुर में तिरंगा लेकर 6 किमी चले, खराब सड़क की शिकायत करने जा रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी



हमीरपुर। हमीरपुर में सड़क नहीं बनने पर मंगलवार सुबह 10 बजे छात्र-छात्राओं ने हाथ में तिरंगा लेकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्र-छात्राएं तिरंगा लेकर डीएम से मिलने उनके ऑफिस जा रहे थे। लेकिन, पुलिस ने सभी को कलेक्ट्रेट के गेट पर ही रोक दिया। इस पर बच्चे दौड़कर अंदर जाने लगे, तो पुलिस ने उनको पकड़कर गेट से बाहर कर दिया। कुछ देर इंतजार करने के बाद बच्चे गांव लौट गए। 300 बच्चों के साथ उनके 100 पेरेंट्स भी विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए। ये सभी चंदूपुर ग्राम पंचायत से आए थे। डीएम ऑफिस से चंदूपुर ग्राम पंचायत की दूरी 6 किलोमीटर है। इसमें नगरपालिका में आने वाली 2 किलोमीटर की सड़क पक्की बनी है। बाकी ग्राम पंचायत में आने वाली 4 किलोमीटर की सड़क कच्ची है। सड़क नहीं बनने से परेशान बच्चों का कहना है कि हम लोग खराब सड़क की वजह से स्कूल नहीं जा पाते। मिट्टी जमा होने से हमारी स्कूल यूनिफॉर्म गंदी हो जाती है। 6 किलोमीटर लंबी यह यात्रा चंदूपुर ग्राम पंचायत से शुरू हुई। इसमें मंगला का डेरा, बच्ची का डेरा और गंगवा का डेरा के रहने वाले बच्चे शामिल हुए। छात्रा प्रीति का कहना है- यह सड़क नहीं बन रही है। बस बार-बार मिट्टी डलवा दी जाती है। बारिश में यही मिट्टी दलदल बन जाती है। इस वजह से हम लोग स्कूल नहीं जा पाते। हम लोग 4-5 बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अभी तक सुधार नहीं हुआ है।

थककर जमीन पर बैठे लोग, दिल के मरीज भी हुए परेशान, भीड़ देख बोले- अब हिम्मत नहीं

एसएन में पर्चे के लिए मारामारी

परेशानी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। एसएन मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में मंगलवार को पर्चा बनवाने के लिए मरीजों को लंबी कतार में लगकर घंटों इंतजार करना पड़ा। पंजीकरण हॉल में भीड़ इतनी रही कि मरीजों के बैठने तक की जगह नहीं बची। कई मरीज तीन घंटे तक लाइन में खड़े रहने के बाद पर्चा बनवा सके। इसके बाद उन्हें डॉक्टर को दिखाने के लिए फिर इंतजार करना पड़ा। थकान से कई मरीज जमीन पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। मरीजों का कहना था कि लंबी लाइन में खड़े रहने से अब हिम्मत जवाब दे रही है। सुबह 9 बजे आईं, दोपहर 12 बजे बना पर्चा नूरजहां अपने बेटे को दिखाने के लिए सुबह करीब 9 बजे



> ओपीडी के पंजीकरण हॉल में भीड़ के कारण अंदर मरीजों के बैठने की पर्याप्त जगह नहीं थी। ऐसे में कई मरीज थककर जमीन पर बैठ गए। कुछ मरीज बाहर जमीन पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। पर्चा बनवाने के बाद भी मरीजों को डॉक्टर और जांच के लिए इंतजार करना पड़ा।

एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंचीं। पर्चा बनवाने के लिए उन्हें करीब तीन घंटे तक लाइन में इंतजार करना पड़ा। दोपहर 12 बजे उनका नंबर आया और पर्चा बन सका। इसके बाद भी डॉक्टर को दिखाने के लिए उन्हें लाइन में लगना पड़ा। उन्होंने बताया कि इतने लंबे इंतजार के बाद भी अभी इलाज नहीं मिल पाया है। एक मरीज ने बताया कि वह दिल का मरीज है और पर्चा बनवाने के लिए लगी लाइन काफी लंबी है। उसे पता नहीं था कि उसका नंबर कब आएगा। वहीं, प्रीति नाम की महिला मरीज ने बताया कि वह जांच का पर्चा बनवाने के लिए करीब डेढ़ घंटे से लाइन में खड़ी हैं। उन्होंने बताया कि वह दिल की मरीज हैं और इतने लंबे समय तक खड़े रहने में परेशानी हो रही है। इस दौरान एक बुजुर्ग दंपती भी परेशान नजर आए। उनके बेटे को एक निजी अस्पताल से एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी के लिए रेफर किया गया था। परिजनों के मुताबिक, मरीज की हालत गंभीर थी। इसके बावजूद ओपीडी में पहुंचने पर उन्हें अलग-अलग जगह भेजा जाता रहा। सही जानकारी नहीं मिलने के कारण बुजुर्ग माता-पिता काफी देर तक इधर-उधर भटकते रहे मंगलवार को ओपीडी में



लंबी लाइन में लगकर घंटो किया इंतजार

पैर में दर्द, फिर भी लाइन छोड़ने का डर

कविता ने बताया कि वह करीब एक घंटे से लाइन में लगी हुई थीं। उनके आगे अभी भी लंबी कतार थी। उन्होंने बताया कि उनके पैरों में दर्द हो रहा था और वह पैरों का इलाज कराने के लिए ही अस्पताल आई थीं। लंबे समय तक खड़े रहने से परेशानी और बढ़ रही थी, लेकिन लाइन छोड़कर बैठने का मतलब था कि कोई दूसरा व्यक्ति आगे आ जाएगा। इसलिए परेशानी के बावजूद उन्हें लाइन में खड़े रहना पड़ा।

पर्चा बनवाने से लेकर डॉक्टर और जांच तक के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ा। भीड़ और लंबी कतार के चलते कई मरीज परेशान और थके हुए नजर आए। मरीजों का कहना था कि बीमारी की हालत में घंटों लाइन में खड़े रहना उनके लिए मुश्किल हो रहा है।

सावन शिवरात्रि पर मथुरा में सुरक्षा का कड़ा पहरा

डीएम-एसएसपी ने मंदिरों का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। सावन शिवरात्रि पर मथुरा-वृंदावन में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस अलर्ट मोड में है। मंगलवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर और वृंदावन के श्री गोपेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने मंदिर परिसर से लेकर आसपास के मार्गों तक श्रद्धालुओं के प्रवेश-निकास, दर्शन व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल, सफाई, प्रकाश, यातायात और पार्किंग की व्यवस्थाएं परखी। डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों को भीड़



नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के साथ लगातार निगरानी रखने को कहा गया। सावन शिवरात्रि पर भीड़ को देखते हुए मंदिर मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खोया-पाया केंद्र बनाए जाएंगे और महिला पुलिस की विशेष तैनाती रहेगी। सोशल मीडिया सेल को भी सक्रिय रखते हुए अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

फास्ट न्यूज

'इस्लाम अपनाने पर पिता ने 2 बेटियों को कैद रखा'

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाने वाली दो बालिग बहनों को पिता ने उनकी मर्जी के खिलाफ घर में रखा। दोनों ने अपनी इच्छा से धर्म बदला था। कानूनी अधिकार के बिना उनकी आजादी पर रोक लगाना गैर-कानूनी हिरासत है। संविधान से मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। कोर्ट ने पिता और यूपी सरकार को दोनों बहनों को 25 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया।

आज दोपहर खत्म हो जाएगा रूट डायवर्जन

मुरादाबाद। मुरादाबाद में कांवड़ यात्रा को लेकर लागू ट्रैफिक डायवर्जन आज (मंगलवार) दोपहर 2 बजे समाप्त हो जाएगा। इसके बाद दिल्ली-लखनऊ हाईवे और कांठ रोड पर भारी वाहनों समेत सभी वाहनों की आवाजाही पहले की तरह शुरू हो जाएगी। डायवर्जन हटते ही दोनों प्रमुख मार्गों पर अचानक ट्रैफिक बढ़ने की संभावना को देखते हुए यातायात पुलिस ने अतिरिक्त इंतजाम किए हैं। कांवड़ यात्रा और सावन के दूसरे सोमवार के मद्देनजर बृहस्पतिवार से दिल्ली रोड और कांठ रोड पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित था।

प्राइवेट अस्पताल का डेढ़ लाख में रजिस्ट्रेशन

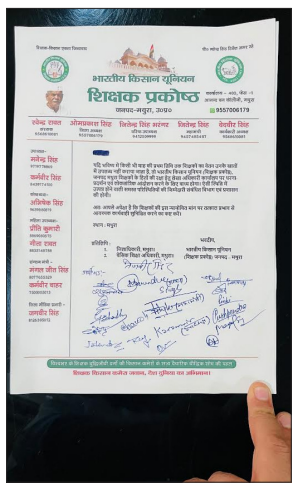
अलीगढ़। अलीगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में निजी अस्पतालों के पंजीकरण को लेकर अनियमितता का मामला सामने आया है। गभाना के मां दुर्गे हॉस्पिटल के संचालक विनोद पाल सिंह ने सीएमओ कार्यालय के बाबू रणधीर सिंह चौधरी पर पंजीकरण कराने के नाम पर डेढ़ लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है। विनोद पाल सिंह का आरोप है कि बाबू ने अस्पताल के पंजीकरण के लिए कुछ डॉक्टरों के दस्तावेज लगाए।

शिक्षक या किसान नेता? वेतन के मुद्दे पर शिक्षक प्रकोष्ठ की नेतागिरी चर्चा में

धरना देने पहुंचे शिक्षक नेताओं ने वार्ता के बाद वापस लिया फैसला

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। परिषदीय शिक्षकों के वेतन में देरी का मुद्दा उठाकर भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों का लेखाधिकारी कार्यालय पहुंचना अब चर्चा का विषय बन गया है। शिक्षक नेताओं ने वेतन में देरी को लेकर धरना-प्रदर्शन की तैयारी की, लेकिन लेखाधिकारी से वार्ता के बाद बिना धरना दिए ही लौट गए। इसके बाद संगठन की ओर से आगामी माह से वेतन समय पर न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। शिक्षक नेताओं के इस कदम को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि शिक्षकों का मूल दायित्व विद्यालय में शिक्षण कार्य है या विभिन्न समस्याओं को लेकर संगठन के बैनर तले आंदोलन और नेतागिरी करना? शिक्षक प्रकोष्ठ



के पदाधिकारियों ने वेतन भुगतान में देरी को शिक्षकों और उनके परिवारों की परेशानी से जोड़ते हुए प्रशासन के सामने अपनी मांग रखी। लेखाधिकारी वित्त ने स्पष्ट किया कि यदि संबंधित ब्लॉकों से प्रत्येक माह 26 तारीख तक वेतन संबंधी सीडी उपलब्ध करा दी जाए तो अगले माह की एक तारीख को वेतन निर्गत किया जा सकता है। अधिकारी के इस स्पष्टीकरण के बाद शिक्षक नेताओं ने प्रस्तावित धरना स्थगित कर दिया। भाकियू शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षकों का वेतन प्रत्येक माह की पहली तारीख तक खातों में पहुंचना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि समय से वेतन नहीं मिला तो संगठन दोबारा धरना-प्रदर्शन करेगा। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम ने शिक्षक संगठनों की भूमिका और विद्यालयी दायित्वों के बीच संतुलन को लेकर बहस छेड़ दी है। सवाल यह भी है कि कर्मचारियों की समस्याओं को उठाने के नाम पर संगठनात्मक गतिविधियां किस सीमा तक उचित हैं।

यमुना पार में दूसरे दिन भी नहीं आया पानी

लोगों को नहाने के लिए खरीदना पड़ा पानी, कल तक सुचारू हो सकती है सप्लाई

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के यमुनापार क्षेत्र में दूसरे दिन भी पानी की सप्लाई नहीं हुई। मेन पाइप लाइन टूटने के कारण लोग दो दिन से पानी के लिए परेशान हैं। जल निगम की टीम पाइप लाइन को सही करने में जुटी है। बुधवार को पानी सप्लाई सुचारू होने की बात कही जा रही है। आगरा में मेट्रो के काम के दौरान यमुनापार के ट्रांसयमुना क्षेत्र में पानी की सप्लाई करने वाली मुख्य पाइप लाइन टूट गई है। इसके चलते मंगलवार सुबह दर्जनों कॉलोनी में पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। लगभग 4 लाख की आबादी को पानी की समस्या से जूझना पड़ा। सोमवार को भी पानी न आने के कारण जिन लोगों के यहां पानी स्टोर था,वो भी खत्म हो गया। ऐसे में लोगों को नहाने और अन्य घरेलू काम के लिए पानी खरीदना

> बताया जा रहा है कि यहां काम करने से पहले उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) के अधिकारियों ने जलकल को इसकी कोई सूचना नहीं दी थी। बिना किसी सूचना के ही यूपीएमआरसी की टीम ने यहां खुदाई शुरू कर दी। जिस जगह खुदाई की जा रही थी, वहां से जीवनी मंडी वाटर वर्क्स से यमुनापार को जलापूर्ति करने वाली पानी की मुख्य पाइप लाइन गुजर रही है।



पड़ा।पानी की पाइप लाइन जब टूट गई तो यूपीएमआरसी की टीम ने जलकल विभाग को इसकी सूचना दी। जलकल विभाग के असिस्टेंट इंजीनियर मनीष कुमार ने बताया-पानी की पाइप लाइन का मरम्मत काम शुरू कर दिया गया है। यह काम सोमवार दोपहर बाद तक पूरा होना था लेकिन शाम तक यह काम नहीं हो पाया। ऐसे में सोमवार सुबह-

इन क्षेत्रों में है पानी का संकट

शाहदरा, नुनिहाई, ट्रांसयमुना फेस-2, नरायच, नगला रामबल, सती नगर, श्याम नगर, कैला देवी मंदिर, कृष्णा कॉलोनी, श्याम विहारी कॉलोनी, सौदान सिंह डिग्री कॉलेज, बसेरा कॉलोनी, महावीर नगर, बालाजी नगर, कालिंदीविहार, एडीए कॉलोनी, कांशीराम आवास, नगला विहारी, बघेल बस्ती, आदि क्षेत्रों में जलापूर्ति नहीं हुई है।

मेट्रो के दूसरे कॉरीडोर निर्माण का काम चल रहा है। रामबाग के पास चल रहे इस काम के दौरान रविवार को जलकल विभाग की 750 एमएम की पानी की मुख्य पाइप लाइन टूट गई। इस पाइप लाइन से यमुनापार के बड़े एरिया में पानी की सप्लाई होती है। पाइप लाइन टूटते ही आसपास के क्षेत्र में पानी भर गया।

शाम पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। अब मंगलवार सुबह पानी मिलने की उम्मीद है।

सक्षम-समर्थ-दक्ष प्रशिक्षण में प्रधानाध्यापकों को दिए नेतृत्व के गुर

तमसा संकेत, एजेंसी

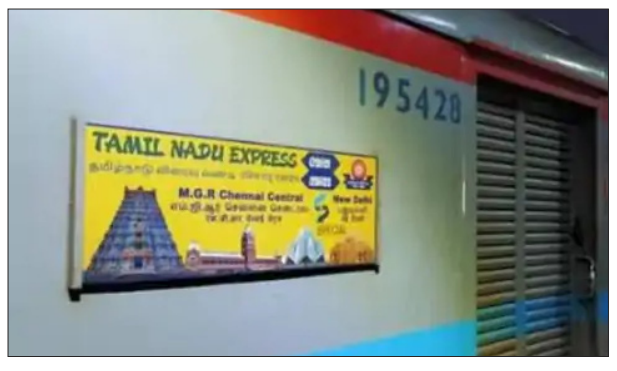
बलदेव/मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), मथुरा में परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए आयोजित सक्षम-समर्थ-दक्ष मॉड्यूल आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हो गया। समापन अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्ता जेपी सुमन ने प्रतिभागी प्रधानाध्यापकों एवं प्रभारी प्रधानाध्यापकों को प्रमाण पत्र वितरित किए। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), उत्तर प्रदेश द्वारा विकसित सक्षम-समर्थ-दक्ष मॉड्यूल के तहत प्रधानाध्यापकों को विद्यालय नेतृत्व एवं प्रबंधन, शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन, विद्यालय विकास योजना, निपुण भारत मिशन, वित्तीय एवं डिजिटल प्रबंधन, सकारात्मक विद्यालयी वातावरण, सामुदायिक सहभागिता तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं वेल-बीइंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। डायट प्रवक्ताओं ने विभिन्न विषयों की विस्तार से जानकारी देते हुए प्रधानाध्यापकों को विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने और प्रभावी नेतृत्व के लिए आवश्यक कौशल से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने गतिविधियों एवं संवाद के माध्यम से विषयों को समझा और अपने अनुभव भी साझा किए। प्रशिक्षण में विकासखंड बलदेव से सीमा वर्मा, आशा अग्रवाल, मंगलजीत सिंह, दीपक तिवारी, दाऊ दयाल, सुमित कुमार, देवेंद्र सिंह, शैलेश कुमार, देवेंद्र पाल सिंह, सुजीत कुमार वर्मा सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। समापन पर प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को विद्यालय प्रबंधन और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए उपयोगी बताया।

पति ने 139 पर मांगी मेडिकल मदद, डेढ़ घंटे बाद मिली, आगरा अस्पताल में तोड़ा दम

तमिलनाडु एक्सप्रेस में हार्ट अटैक से महिला की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। तमिलनाडु एक्सप्रेस में सफर कर रही 57 साल की महिला यात्री की हार्ट अटैक से मौत हो गई। महिला अपने पति के साथ दिल्ली से चेन्नई जा रही थीं। रात 10 बजे तिलकम को बेचैनी और पसीना आने लगा। हालत बिगड़ने पर उनके पति ने रात 10:21 बजे रेलवे की 139 हेल्पलाइन पर कॉल कर मेडिकल सहायता मांगी। परिजनों के मुताबिक, इसके बाद भी तत्काल चिकित्सा सहायता नहीं पहुंची। करीब डेढ़ घंटे बाद रात 11:51 बजे ट्रेन आगरा कैंट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर पहुंची। यहां रेलवे अस्पताल के डॉ. रवि कसाना ने महिला को प्राथमिक उपचार दिया।



रात 12:25 बजे उन्हें एंबुलेंस से एसएन मेडिकल कॉलेज भेजा गया। इलाज के दौरान रात 12:47 बजे उनकी मौत हो गई। नई दिल्ली से आगरा कैंट के बीच तमिलनाडु एक्सप्रेस का कोई निर्धारित ठहराव नहीं था। हालांकि, मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में ट्रेन को बीच रास्ते में रोककर मरीज को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान है। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को एसएन मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।



पोस्टमार्टम में हार्ट अटैक की पुष्टि

केरल निवासी तिलकम अपने पति गोविंद राज के साथ रविवार रात ट्रेन संख्या 12622 से नई दिल्ली से चेन्नई जा रही थीं। वह एस-5 कोच की सीट नंबर 65 पर थीं। ट्रेन के नई दिल्ली से रवाना होने के करीब एक घंटे बाद रात 10 बजे तिलकम को बेचैनी और पसीना आने लगा। जीआरपी ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। जीआरपी इंस्पेक्टर संदीप तोमर के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया है। घटना के बाद परिजन सदमे में हैं।

हालत बिगड़ने पर उनके पति ने रात 10:21 बजे रेलवे की 139 हेल्पलाइन पर कॉल कर मेडिकल सहायता मांगी। परिजनों के मुताबिक, इसके बाद भी तत्काल चिकित्सा सहायता नहीं पहुंची।

परिजनों का आरोप है कि मदद मांगने के बावजूद ट्रेन को बीच में नहीं रोका गया। इससे रेलवे की मेडिकल इमरजेंसी व्यवस्था और 'रेल मदद' सेवा पर सवाल खड़े हो गए हैं।

रेलवे के अनुसार, महिला की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने के बाद मथुरा स्टेशन पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने की पेशकश की गई थी। परिजनों ने आगरा में इलाज कराने की बात कही। इसके बाद आगरा कैंट पर मेडिकल टीम और एंबुलेंस की व्यवस्था कराई गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

भाजपा के झारखंड...

छात्रों का कहना है कि अब वे सिर्फ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ही बातचीत करेंगे। वहीं, भाजपा का आरोप है कि झारखंड सरकार छात्रों की मांगों पर बातचीत करने के बजाय प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज की। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष लगातार छात्र आंदोलन का मुद्दा उठा रहा है। वहीं मंगलवार को सदन की कार्यवाही के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने कहा, 'विपक्ष युवाओं को भटका रहा है। विपक्ष हल्ला करता रहेगा, हम अपना काम करते जाएंगे। सरकार छात्रों के हित में फैसले ले रही है।' झारखंड मंत्री इरफान अंसारी ने कहा, ₹भाजपा का चाल-चरित्र सामने आ गया है, युवाओं के प्रति इनकी कोई भावना नहीं है। निश्चित तौर पर मुझे गर्व है कि आप लोगों ने कहा कि हमारे धरना को भाजपा के लोगों ने दबाने का काम किया है। मैं फिर से कहना चाहता हूं कि सरकार युवाओं के साथ है, हम उनकी मांगों पर विचार कर रहे हैं। कल राहुल गांधी ने भी कहा कि शांतिपूर्वक आंदोलन करने का सबको हक है। पुरानी विधानसभा के पास प्रदर्शन कर रहे ABVP कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हुई है। कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी कर रहे हैं, पुलिस उन्हें हटाने की कोशिश में है। पुरानी विधानसभा के पास ABVP कार्यकर्ता करीब एक घंटे से प्रदर्शन कर रहे हैं। पुलिस इन्हें डिटेन करने की कोशिश में है। वहीं कार्यकर्ता पुलिस वैन को आगे बढ़ने नहीं दे रहे हैं। लगातार पुलिस-कार्यकर्ताओं में धक्का-मुक्की जारी है।

10 और 20 रुपये...

प्रस्ताव के अनुसार पॉलीमर नोटों को कागज से बने मौजूदा नोटों के साथ समानांतर रूप से जारी किया जाएगा। यानी फिलहाल दोनों तरह के नोट चलन में रहेंगे। पॉलीमर नोटों को सीधे बड़े स्तर पर जारी करने के बजाय पहले वास्तविक परिस्थितियों में उनका परीक्षण किया जाएगा। इस दौरान यह देखा जाएगा कि भारतीय मौसम, नमी, धूल और रोजमर्रा के इस्तेमाल में ये नोट कितने टिकाऊ साबित होते हैं। ट्रायल के नतीजों के आधार पर आगे इनके नियमित इस्तेमाल को लेकर फैसला किया जाएगा। पॉलीमर नोट विशेष प्रकार के प्लास्टिक आधारित पदार्थ से बनाए जाते हैं। सामान्य कागजी नोटों की तुलना में इनके अधिक टिकाऊ होने की उम्मीद की जाती है। ये नमी, धूल और सामान्य घिसावट का बेहतर सामना कर सकते हैं। इसके अलावा इनमें आधुनिक सुरक्षा फीचर शामिल करने की भी संभावना रहती है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन समेत

मनमोहन सिंह सबसे...

मनमोहन सिंह ईमानदारी और सत्यनिष्ठा वाले इंसान थे। उनके खिलाफ अभियान सुनियोजित और संगठित था। इसमें नौकरशाही, मीडिया, न्यायपालिका, सिविल सोसाइटी के साथ RSS और BJP से जुड़े लोग शामिल थे। सोनिया ने कहा- सुप्रीम कोर्ट का फैसला सार्वजनिक बहस के सबसे दुखद अध्यायों में से एक का अंत करता है। मनमोहन सिंह हर आरोप में पाक-साफ साबित हुए हैं। मोदी सरकार ने अपराध और भ्रष्टाचार की जांच के लिए बनी ED और CBI जैसी एजेंसियों का साफ तौर पर गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा- इन एजेंसियों का मकसद नेताओं पर दबाव बनाना रहा है। नेताओं को या तो दबाव डालकर चुप करा दिया जाता है, या चालाकी से BJP में शामिल कर लिया जाता है। कुछ मामलों में उन्हें मंत्री पद भी दे दिया जाता है। सरकार ने देश में बड़ा आर्थिक बदलाव किया। विकास दर में तेजी आई और निजी निवेश बढ़ा, जिससे भारत मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में पहुंचा। 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट के दौरान भी भारत ने अपनी मजबूती दिखाई। सोनिया ने दावा किया कि GDP की गणना का तरीका बदलने के बावजूद UPA सरकार के 10 सालों में पिछले 12 सालों की तुलना में आर्थिक विकास ज्यादा रहा और लाखों लोग गरीबी से बाहर आए। सोनिया ने मनमोहन सरकार की उपलब्धियों में शिक्षा का अधिकार, IIT-IIM जैसे संस्थानों में OBC आरक्षण, वन अधिकार कानून, MGNREGA और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून-2013 को भी गिनाया।

कालीबाड़ी बाबा...

यही वजह है कि जब भी सीएम योगी का गोरखपुर में कोई कार्यक्रम होता है, महंत रविंद्र दास भी वहां नजर आते हैं। इस इलाके में लोग काफी समय से रह रहे हैं, लेकिन आने-जाने में परेशानी होती थी। रास्ता बहुत संकरा होने की वजह से बस और ट्रक तक नहीं आ पाते थे। इस मार्ग पर सरस्वती और आरपीएम एकेडमी समेत कई स्कूल भी हैं। इसी तरह लोग आसानी से सोनौली भी जा सकेंगे। इन सभी कामों के पूरा होने से शहर में आवाजाही आसान होगी। उन्होंने कहा कि पहले यहां रास्ता बहुत संकरा था और जलभराव की भी समस्या रहती थी। गोरखपुर में लगातार विकास के काम हो रहे हैं। इसी विकास को आगे बढ़ाने के लिए सांसद, विधायक और महापौर समेत सभी जनप्रतिनिधि यहां मौजूद हैं। सीएम योगी ने कहा- गोरखपुर में जगह-जगह फ्लाईओवर बन रहे हैं। अब शहर बदलता हुए दिखाई दे रहा है। सीएम योगी ने कहा- आज सांसद जी ने भाषण क्यों नहीं दिया? लगता है कि उन्होंने कुछ ज्यादा लोगों को भोज दे दिया है। कितने लोग उनके यहां भोज करने गए थे? कितने लोगों ने उनकी फिल्म देखी है? और कालीबाड़ी बाबा की फिल्म कितने लोगों ने देखी है? इस पर वहां मौजूद लोगों ने हाथ उठाकर अपनी सहमति जताई। इस पर सीएम योगी ने कहा- बराबरी है। ग्रीन सिटी से माधोपुर बंधा तक चौड़ी और मजबूत सड़क मिलने से स्थानीय लोगों में खुशी दिखी। लोकार्पण के बाद जनसभा स्थल जाते समय करीब दर्जनभर जगहों पर लोगों ने जयकारे लगाए और फूल बरसाकर सीएम योगी का स्वागत किया।

8वें वेतन आयोग...

कि जब महंगाई राहत यानी DR 25 प्रतिशत से अधिक हो जाए तो उसे मूल पेंशन में मिला दिया जाए। संगठन के अनुसार, इससे पेंशनभोगियों को बढ़ती महंगाई के बीच आर्थिक राहत मिलेगी और उनकी पेंशन वास्तविक जरूरतों के अनुरूप बनी रहेगी। फिलहाल DA और DR की समीक्षा साल में दो बार की जाती है। भारत पेंशनभोगी समाज ने 8वें वेतन आयोग के समक्ष न्यूनतम पेंशन 45,000 रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ ही न्यूनतम मूल वेतन 69,000 रुपये निर्धारित करने की मांग की गई है। संगठन ने वेतन निर्धारण के लिए 3.83 के फिटमेंट फैक्टर का सुझाव दिया है। BPS ने फिटमेंट फैक्टर तय करने के लिए 5.2 वेटेज यूनिट फैमिली फॉर्मूले को भी आधार बनाने का प्रस्ताव दिया है। संगठन का कहना है कि नई वेतन व्यवस्था में कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की आर्थिक जरूरतों तथा लगातार बढ़ती महंगाई को ध्यान में रखा जाना चाहिए। BPS की ओर से न्यूनतम वेतन और फिटमेंट फैक्टर को लेकर की गई मांग एनसी-जेसीएम स्टाफ साइड की मांगों की तर्ज पर बताई गई है।

कोलकाता में ममता...

उन्होंने नेताजी के नेतृत्व पर सवाल उठाए और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आजाद हिंद फौज की भूमिका पर भी संदेह जताया था। पश्चिम बंगाल बीजेपी के नेताओं ने इन बयानों से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने साफ किया कि रॉय की टिप्पणी पूरी तरह निजी थी। पार्टी न तो इसका समर्थन करती है, न ही इसे मानती है। 9 अगस्त को भी ममता ने खुद पर हमले का दावा किया था। ममता नॉर्थ 24 परगना जिले के हलीसहर में TMC कार्यकर्ता के परिवार से मिलने गई थीं। आरोप है कि इस कार्यकर्ता की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। जब ममता, कार्यकर्ता के घर पहुंचीं तो लोगों ने उनकी गाड़ी को घेर लिया था। चोर-चोर के नारे लगाए। ममता का आरोप है कि उनकी गाड़ी पर कीचड़ और चप्पलें भी फेंकी गई थीं। भीड़ बढ़ने पर पुलिसकर्मियों ने ममता की गाड़ी के चारों ओर घेरा बनाया था। हालांकि बीजेपी ने हलीसहर की घटना में शामिल होने से इनकार किया है।

राजस्थान रॉयल्स कैंप में दलीप ट्रॉफी की ट्रेनिंग की, 23 अगस्त को खेलेंगे मैच

वैभव सूर्यवंशी बॉल छोड़ने और डिफेंस की प्रैक्टिस कर रहे

तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी की तैयारी शुरू कर दी है। वे राजस्थान रॉयल्स के कैंप में रेड-बॉल क्रिकेट की प्रैक्टिस कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने ट्रेनिंग का वीडियो शेयर किया। इसमें वे बॉल छोड़ने और डिफेंस की प्रैक्टिस करते नजर आए। साथ ही अटैकिंग शॉट्स पर भी काम किया। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने सिर्फ प्रिपरेशन लिखा।

15 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले वैभव 23 अगस्त से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की ओर से खेलेंगे। उन्हें टीम का वाइस-कैप्टन बनाया गया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन टीम की कप्तानी करेंगे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज खत्म होने के बाद वैभव ने अपना फोकस रेड-बॉल क्रिकेट पर कर लिया है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, वे नागपुर में राजस्थान रॉयल्स के परफॉर्मेंस सेंटर में ट्रेनिंग कर रहे हैं। रॉयल्स ने खिलाड़ियों के लिए 10 दिन का ट्रेनिंग कैंप लगाया है। इस कैंप में वैभव के अलावा तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, रवि सिंह और सुशांत मिश्रा भी शामिल हैं। इनमें वैभव और तुषार दलीप ट्रॉफी में खेलेंगे। तुषार वेस्ट जोन की टीम का हिस्सा होंगे। वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी-20 इंटरनेशनल में 15 साल 99 दिन की उम्र में डेब्यू किया। इसके साथ ही वे भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बन गए।



ईस्ट जोन की पूरी टीम

ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप घरामी, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद, सूरज जायसवाल, विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, सुब्रांशु सेनापति, अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और डेनिश दास।

भारत के लिए 6 टी-20 में 193 रन

वैभव अब तक भारत के लिए 6 टी-20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 193 रन बनाए हैं। उनका औसत 32.16 और स्ट्राइक रेट 189.21 है। उनके नाम 2 अर्धशतक हैं। इंग्लैंड दौरा के वैभव के लिए मुश्किल रहा था। उन्होंने वहां 3 पारियां खेलीं, लेकिन एक बार भी 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सके। भारत ने यह सीरीज 4-1 से गंवाई थी।



वैभव IPL में जीतइ सभी ट्रॉफी के साथ।

जिम्बाब्वे में 151 रन बनाए, प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे

वैभव का हालिया जिम्बाब्वे दौरा शानदार रहा। उन्होंने टी-20 सीरीज की 3 पारियों में 151 रन बनाए। उनका औसत 50.33 और स्ट्राइक रेट 196.10 रहा। उन्होंने 2 अर्धशतक लगाए। सबसे बड़ी पारी 81 रन की रही। इस प्रदर्शन के लिए वैभव को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह अवॉर्ड जीतकर रिकॉर्ड बनाया। वे सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने वाले खिलाड़ी बने।

‘बाबर आजम को इंग्लिश मीडिया से रखना दूर’

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान को सता रही है किंग की चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी



बाबर आजम पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान के तौर पर लौट आए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज दौरे पर टीम की कप्तानी की थी। अब उनके सामने इंग्लैंड की चुनौती होगी। टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान इंग्लैंड का दौरा करेगी, लेकिन इस दौरे को लेकर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ को एक डर सता रहा है। पाकिस्तान को इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मैच लीड्स के हेडिंग्ले में 19 अगस्त से शुरू होगा। दूसरे मैच की मेजबानी लंदन का लॉर्ड्स स्टेडियम करेगा। ये मैच 27 अगस्त से शुरू होगा। नौ सितंबर से तीसरा और आखिरी मैच एजबेस्टन में खेला जाएगा।

इंग्लैंड दौरे से पहले लतीफ ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और टीम मैनेजमेंट से अपील करते हुए कहा है कि बाबर को इंग्लैंड की मीडिया से दूर रखा जाए। लतीफ ने जियो न्यूज से बात करते हुए कहा, ‘इंग्लैंड का दौरा मुश्किल होता है। इंग्लिश मीडिया कोशिश करती है कि वह आपको अपनी फालतू स्टोरीज में बेवजह घसीटे।

उन्होंने कहा, बाबर आजम एक अनुभवी खिलाड़ी है। इसलिए पीसीबी के लिए ये बेहतर होगा कि वह उन्हें इंग्लिश मीडिया से दूर रखे और पूर्व कप्तान शान मसूद को मीडिया से ज्यादा बात करने के लिए भेजे। मसूद के पास इंग्लैंड में खेलने और इंग्लिश मीडिया से डील करने का अनुभव है।

बल्ले से पीटा, करियर बर्बाद करने की धमकी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

पुडुचेरी अंडर-19 क्रिकेट टीम के कोच एस वेंकटरमन के खिलाफ खिलाड़ियों को मारने और करियर बर्बाद करने की धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई है। ये एफआईआर ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद हुई है।

आठ महीने पहले वेंकटरमन पर कथित तौर पर तीन क्रिकेटरों ने हमला कर दिया था। राज्य की अंडर-19 टीम के कोच ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। उसी दिन खिलाड़ियों ने वेंकटरमन के खिलाफ भी पुलिस में शिकायत की थी जिस पर आठ महीने बाद मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद एफआईआर दर्ज हुई है।

आठ दिसंबर 2025 को वेंकटरमन ने सेदारापेट पुलिस में शिकायत की थी कि जयासुंदरम कार्तिकेयन, ए अरविंददराज और एस संतोष कुमारान ने उन पर हमला किया। क्रिकेट पुडुचेरी के संयुक्त सचिव रह चुके कोच वेंकटरमन ने बताया था कि इन तीनों ने ये कहते हुए उन पर हमला किया था कि वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके सेलेक्ट न होने की वजह हैं। हमले के बाद उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके कंधे में भी फ्रैक्चर आया था। इन तीनों खिलाड़ियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई थी। वहीं उसी दिन कार्तिकेयन ने कोच के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उस पर कोई एक्शन नहीं लिया गया था।



पुडुचेरी क्रिकेट कोच एस. वेंकटरमन पर अब दर्ज हुई एफआईआर

26 साल पुराने किस्से पर हरभजन सिंह ने अब दी सफाई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने साल 26 साल पुराने एक किस्से को याद किया है और कहा कि उन्हें बिना गलती से सजा भुगतनी पड़ी थी। मामला एनसीए का था जो अब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बन गया है। दरअसल, साल 2000 में जब हरभजन भारतीय क्रिकेट में अपने पैर जमा रहे थे तब एनसीए से उन्हें निकाल दिया गया था। हरभजन ने एनसीए का डाइट चार्ट फाड़ दिया था और नतीजन उन्हें वहां से बाहर कर दिया गया था। हरभजन ने कहा है कि इस मामले में उनकी गलती नहीं थी। उस मामले को लेकर हरभजन ने बताया कि एनसीए में उस समय ट्रेनियों के लिए एक फिक्स डाइट प्लान था और इस संबंध में चार्ट भी लगा था, लेकिन उसके हिसाब से खाना मिलता नहीं था जिसकी उन्होंने शिकायत भी की थी।

बोधन सिवानंदन ने रैपिड प्लेऑफ में खिताब जीता, 17 साल के श्रीयस रॉयल भी जीते

भारतीय मूल की 11 साल की लड़की ब्रिटिश चेस चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय मूल की 11 साल की बोधन सिवानंदन ब्रिटेन की सबसे कम उम्र की महिला चेस चैंपियन बन गई हैं। उन्होंने आयरलैंड की त्रिशा कन्यामराला को रैपिड चेस प्लेऑफ में हराकर ब्रिटिश चेस चैंपियनशिप का खिताब जीता।

बोधन के अलावा भारतीय मूल के ही 17 साल के श्रीयस रॉयल ने भी चैंपियनशिप अपने नाम किया। श्रीयस ने नौ राउंड के बाद पॉइंट टेबल में सबसे ऊपर रहते हुए ओपन ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। 1 अगस्त को शुरु हुआ टूर्नामेंट रविवार को कोवेंट्री में खत्म हुआ।

बोधन ने कोविड महामारी के लॉकडाउन के दौरान पहली बार चेस खेलना शुरू किया था। उस समय उनके पिता के एक दोस्त भारत लौट रहे थे। उन्होंने उसे कुछ बैग दिए थे, जिनमें चेस बोर्ड भी था।

नॉर्थ-वेस्ट लंदन की स्कूली छात्रा ने इसके बाद लगातार रिकॉर्ड बनाए। तेज फॉर्मेट में वह पहले ही यूके ओपन महिला ब्लिट्ज चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं। क्लासिकल फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट की जीत के साथ 11 साल की बोधन ने तीनों फॉर्मेट में खिताब जीतने की उपलब्धि हासिल की। इस चैंपियनशिप में उन्हें एकमात्र हार छठे राउंड में श्रीयस रॉयल से मिली।





श्रीयस ने पहली बार ब्रिटिश खिताब जीता

श्रीयस ने पहला ब्रिटिश खिताब जीता है। उन्हें 15 साल की उम्र में इंग्लैंड का यंगेस्ट ग्रैंडमास्टर घोषित किया गया था। साउथ-ईस्ट लंदन में रहने वाले श्रीयस टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ में शामिल थे।

श्रीयस का जन्म भारत के बेंगलुरु में हुआ था। तीन साल की उम्र में वह माता-पिता जितेंद्र और अंजू सिंह के साथ ब्रिटेन चले गए थे।

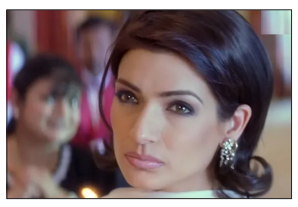
> ब्रिटिश चेस चैंपियनशिप 122 साल पुराना है। यह ब्रिटेन का सबसे बड़ा चेस टूर्नामेंट है। इस साल ओपन चैंपियनशिप के लिए 1,750 से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। विजेताओं को 34 हजार पाउंड की इनामी राशि दी गई।

मनोरंजन

26 साल पहले आई थी वो फिल्म जिसके 7 गाने हुए थे हिट

कुमार सानू और अल्का याग्निक ने छेड़े थे सुर

नई दिल्ली। 11 अगस्त की तारीख हिंदी सिनेमा जगत के लिए बेहद खास रही है। इस डेट को अतीत में कई ऐसी मूवीज को रिलीज किया गया है, जिन्होंने अपार सफलता हासिल की है। उनमें से एक फिल्म ऐसी भी रही है, जिसके सभी 8 गाने सुपरहिट रहे थे। आज भी उस फिल्म के गानों को श्रोतागण खूब सुनते हैं। कुमार सानू, अल्का याग्निक और उदित नारायण जैसे तमाम सिंगर्स ने उस शानदार फिल्म के लिए गीत गाए। ऐसे में आइए जानते हैं कि यहां कौन सी मूवी के बारे में जिक्र किया जा रहा है। 11 अगस्त साल 2000 में जिस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, उसका निर्देशन धर्मेश दर्शन ने किया था।



फिल्म में अक्षय कुमार, शिल्पा शेट्टी और सुनील शेट्टी जैसे कलाकारों ने अहम भूमिकाओं का अदा किया था। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि यहां बात फिल्म धड़कन की जा रही है। जी हां 26 साल पहले आई धड़कन में कुल 7 गाने मौजूद थे और कमाल की बात ये थी कि इसके ये सभी आठ सॉन्ग्स फिल्म से अधिक लोकप्रिय रहे थे। इन सभी शानदार गीतों को दिग्गज गायकों ने अपनी-अपनी मधुर आवाज में गाया था।

फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह पर साधा निशाना फिल्ममेकर ने याद किया 25 साल पुराना किस्सा

फ़रहान अख्तर ने फिर साधा रणवीर सिंह पर निशाना?

नई दिल्ली। फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने 'दिल चाहता है' के बनने के बारे में बात करते हुए, रणवीर सिंह के 'डॉन 3' से कथित तौर पर बाहर होने पर इशारों-इशारों में तंज कसा। रणवीर का नाम लिए बिना, 52 साल के फरहान ने उन एक्टर्स का जिक्र किया जो शूटिंग शुरू होने के ठीक पहले प्रोजेक्ट छोड़ देते हैं।

उन्होंने कहा कि 'आजकल यह एक पैटर्न बन गया है', इस टिप्पणी ने तुरंत 'डॉन 3' से जुड़े विवाद को फिर से चर्चा में ला दिया।

'डॉन 3' (Don 3) में पहले रणवीर सिंह (Ranveer Singh) के काम करने की बात थी, उसकी शूटिंग अभी शुरू नहीं हुई है, लेकिन यह फिल्म महीनों से विवादों में रही है। यह मामला 2025 में तब शुरू हुआ जब खबर आई कि रणवीर ने फिल्म की शूटिंग शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले ही फिल्म छोड़ दी। इसके बाद एक्टर और फरहान के प्रोडक्शन बैनर, एक्सेल एंटरटेनमेंट के बीच विवाद हो गया और इंडस्ट्री की संस्थाएं भी इस मामले में शामिल हो गईं। यह मामला अभी भी सुलझा नहीं है।

हालांकि उन्होंने रणवीर का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बात का समय उस घटना की ओर इशारा करता है जब प्रोडक्शन शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले ही एक्टर के 'डॉन 3' से अलग होने की खबर आई थी।



सैफ अली खान छोड़ने वाले थे फरहान की फिल्म

फरहान ने एक इंटरव्यू में 'दिल चाहता है' के 25 साल पूरे होने पर यह बात कही। वह अपनी पहली फिल्म के लिए एक्टर्स की डेट्स तय करने में आई मुश्किलों के बारे में बता रहे थे। उन्होंने याद किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले, दूसरी फिल्म के साथ शेड्यूल की दिक्कत की वजह से सैफ अली खान लगभग यह प्रोजेक्ट छोड़ने ही वाले थे। इसके बाद उन्होंने उस अनिश्चितता का जिक्र किया जिसका सामना आज भी फिल्ममेकर्स को करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'तो, यह मेरे लिए बहुत दुखद था। शायद शूटिंग शुरू होने में दस दिन नहीं, बल्कि एक महीना बाकी था, और आजकल ऐसा अक्सर होता है'।



को-एक्ट्रेस से मिलाने के लिए जूनियर आर्टिस्ट को नकली मुख्यमंत्री बनाया

65 वर्ष के हुए सुनील



नई दिल्ली। 90 का दशक। मुंबई में अंडरवर्ल्ड का खौफ ऐसा था कि बड़े-बड़े कारोबारी और फिल्म स्टार भी धमकी भरे फोन से घबरा जाते थे। इसी दौर में एक बॉलीवुड एक्टर को भी लगातार धमकी वाले फोन आ रहे थे। करीब डेढ़ साल तक धमकियों का सिलसिला चलता रहा, लेकिन एक दिन बात हद से आगे बढ़ गई। फोन करने वाले गैंगस्टर ने धमकी दी कि वह एक्टर के पिता को गोली मार देगा। बेटे ने अब तक धमकी को नजरअंदाज किया था, लेकिन पिता को धमकी मिलते ही उसका सब्र टूट गया। उसने गैंगस्टर को ही उसी की भाषा में जवाब दिया, गालियां दीं और कहा- मेरे पास तुझसे ज्यादा पैसे भी हैं और ज्यादा कनेक्शन भी। इसलिए कभी मत सोचना कि मैं डर जाऊंगा।सुनील शेट्टी की पहली फिल्म 'आरजू' लगभग 90-95 प्रतिशत शूट होने के बाद बंद हो गई। इसके बाद दूसरी फिल्म भी शुरू होकर रुक गई। लगातार दो प्रोजेक्ट ठप होने के बाद आखिरकार उन्हें 'बलवान' से बॉलीवुड में डेब्यू करने का मौका मिला। फिल्म 'बलवान' के समय इतना बड़ा प्रमोशन बजट नहीं था। इसलिए वह खुद अपने रेस्टोरेंट के कर्मचारियों के साथ मुंबई की सड़कों पर फिल्म के पोस्टर चिपकाते थे। लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में सुनील ने बताया था कि बलवान बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। दर्शकों ने फिल्म पसंद की, लेकिन कुछ फिल्म समीक्षकों ने उनकी एक्टिंग की जमकर आलोचना की। एक मशहूर समीक्षक ने अपने रिव्यू में उन्हें ‘वुडन डोरनॉब’ तक कह दिया था। इतना ही नहीं, उसने यह भी लिख दिया कि सुनील शेट्टी को फिल्मों में काम करने की बजाय अपने रेस्टोरेंट में वापस जाकर इडली-वड़ा बेचना चाहिए। पिछले साल द ग्रेट इंडियन कपिल शो में सुनील शेट्टी ने बताया था कि एक बार संजय दत्त अपने एक दोस्त के कहने पर चुनाव प्रचार के लिए तैयार हो गए।





15 साल की उम्र में पुलिस को ट्रेनिंग दी

सुनील शेट्टी ने लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 13-14 साल के थे, तब ब्रूस ली की फिल्मों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मार्शल आर्ट सीखने का फैसला कर लिया। सुनील ने बताया था कि उस दौर में वह क्रिकेट भी खेलते थे, लेकिन खुद को और मजबूत और फुर्तीला बनाने के लिए उन्होंने मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग शुरू की। लगातार मेहनत और समर्पण का नतीजा यह हुआ कि महज 15 साल की उम्र में उनके सेंसेई (टीचर) ने उन्हें दूसरे छात्रों को ट्रेनिंग देने की जिम्मेदारी सौंप दी। इसके बाद भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के जवान भी उनसे ट्रेनिंग लेने आने लगे। इतना ही नहीं, वह महाराष्ट्र पुलिस के जवानों को भी फिटनेस और रनिंग की ट्रेनिंग देते थे।

सुनील ने बताया था कि वह जवानों के साथ 20 से 30 किलोमीटर तक दौड़ लगाते थे और रेत व पानी में कठिन अभ्यास करवाते थे।

तुर्किये में एयरफोर्स वन में बैठने का दिखावा किया, फिर सामान वाली गाड़ी से दूसरे प्लेन में पहुंचे

ईरान के डर से ट्रम्प ने सीक्रेट फ्लाइट ली थी

दावा

लंदन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले महीने तुर्किये से ब्रिटेन जाने के लिए सीक्रेट रूप से एक छोटे मिलिट्री विमान का इस्तेमाल किया था। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान से ट्रम्प की हत्या की धमकी मिलने के बाद उनकी यात्रा का पूरा प्लान बदला गया था।

तुर्किये की राजधानी अंकारा से निकलते समय ट्रम्प कैमरों के सामने पुराने एयरफोर्स वन में सवार हुए। इसके बाद उन्हें एयरपोर्ट पर सामान और खाना पहुंचाने वाली केटरिंग गाड़ी से चुपचाप छोटे मिलिट्री विमान C-32A तक पहुंचाया गया।

पुराने एयरफोर्स वन में बैठे पत्रकारों को लगा कि ट्रम्प भी इसी विमान में सफर कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के कुछ कर्मचारियों को भी असली प्लान की जानकारी नहीं थी। उड़ान के दौरान पत्रकारों को अपनी खिड़कियों के शेड नीचे रखने को कहा गया। यानी उन्हें बाहर देखने की इजाजत नहीं थी। ऐसी सावधानी आमतौर पर तब बरती जाती है, जब विमान किसी खतरे वाले इलाके से गुजर रहा हो।



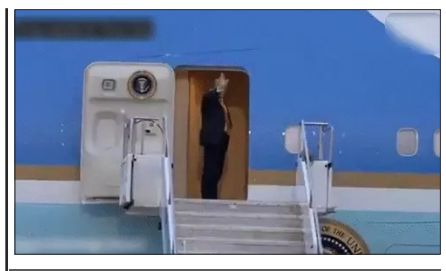
पहले बड़े विमान में बैठे, फिर चुपचाप बाहर निकले

ट्रम्प 8 जुलाई को नाटो समिट में शामिल होने के लिए तुर्किये की राजधानी अंकारा पहुंचे थे। वे कतर से मिले नए बोइंग 747-8 विमान से वहां गए थे।

वापसी के समय ट्रम्प ने कहा कि वे पुराने, हल्के नीले रंग के एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। वे कैमरों के सामने इसी विमान में सवार भी हुए। ट्रम्प ने इसकी वजह बताते हुए कहा था कि वे पुराने समय की याद में इस विमान से सफर करेंगे।

ट्रम्प वाला छोटा विमान पहले ब्रिटेन पहुंचा

ट्रम्प को लेकर छोटा C-32A विमान रात करीब 10:20 बजे ब्रिटेन के RAF मिल्डेनहॉल एयरबेस पहुंचा। इसके कुछ मिनट बाद पुराना एयरफोर्स वन भी वहां पहुंच गया। इस विमान में पत्रकार सवार थे। हालांकि, यह साफ नहीं है कि C-32A से उतरने के बाद ट्रम्प पुराने एयरफोर्स वन तक कैसे पहुंचे। ट्रम्प के साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों के मुताबिक, वे रात 10:56 बजे पुराने एयरफोर्स वन की सीढ़ियों से नीचे उतरते दिखाई दिए। ट्रम्प ने पत्रकारों की तरफ हाथ हिलाया, लेकिन उनसे बात नहीं की। इसके बाद वे अमेरिकी सैनिकों से मिले और फिर कतर से मिले नए विमान की तरफ चले गए।



सामान वाली गाड़ी से दूसरे विमान तक पहुंचे

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, ट्रम्प के पुराने एयरफोर्स वन में चढ़ने के कुछ देर बाद एक कैटरिंग गाड़ी वहां पहुंची। ऐसी गाड़ियां आमतौर पर विमान में खाना और जरूरी सामान पहुंचाने के लिए इस्तेमाल होती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी गाड़ी से ट्रम्प को चुपचाप एयरपोर्ट पर खड़े एक छोटे मिलिट्री विमान C-32A तक ले जाया गया। यह बोइंग 757 का मिलिट्री विमान है। वॉशिंगटन पोस्ट को मिले वीडियो में भी कैटरिंग गाड़ी को पुराने एयरफोर्स वन के पास से निकलकर छोटे विमान की तरफ जाते देखा जा सकता है। इसके बाद C-32A ट्रम्प को लेकर ब्रिटेन के लिए रवाना हो गया।

अमेरिका में पिकअप ट्रक ने डिवाइडर तोड़कर कार को मारी टक्कर

वाशिंगटन, एजेंसी



अमेरिका के ओहियो में भीषण सड़क हादसे में आंध्र प्रदेश के 26 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई है। दिलीप कुमार बुंगातवुला अपनी कार से कहीं जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप ट्रक ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। आंध्र प्रदेश के कडपा जिले के जेट्टीवारिपल्ली गांव के मूल निवासी बुंगातवुला उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए अमेरिका गए थे, जहां उन्होंने 2025 में केंट स्टेट यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री पूरी की थी।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना ओहियो के मैसेडोनिया इलाके में इंटरस्टेट 480 पर हुई। बुंगातवुला सेडान कार में जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप ट्रक ने सेंटर डिवाइडर पार उनके वाहन से टकरा गया।

जब इमरजेंसी सर्विस घटनास्थल पर पहुंचीं, तब तक बुंगातवुला की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। हादसे में तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। तीनों घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच अभी जारी है।

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि की है, उन्होंने कहा है कि भारत में उनके परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

दूतावास ने एक्स पोस्ट में कहा कि हमें 7 अगस्त, 2026 को ओहियो में एक कार दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले भारतीय नागरिक, दिलीप कुमार बुंगातवुला के असामयिक निधन की खबर से गहरा दुख हुआ है।

फास्ट न्यूज

कोलंबिया में भूकंप के बाद आए 21 आफ्टरशॉक

बोगोटा। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। कोलंबियन एसोसिएशन ऑफ कैपिटल सिटीज के अनुसार, इस आपदा में कम से कम 132 लोगों की मौत हो चुकी है और 570 से ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित परेरा शहर हुआ, जहां 60 लोगों की जान चली गई।

सेंसेक्स 388 अंक गिरकर 78,154 पर बंद

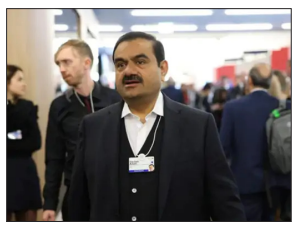
नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 11 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 388 अंक की गिरावट के साथ 78,154 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 112 अंक की गिरावट रही, ये 24,472 पर बंद हुआ। मेटल, FMCG और रियल्टी शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स और धूत ट्रांसमिशन के IPO ओपन हैं। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स IPO के जरिए 939.70 करोड़ और धूत ट्रांसमिशन 3,066.89 करोड़ रुपए जुटाना चाहती हैं। इन दोनों ही IPO में 12 अगस्त तक पैसा लगा सकेंगे।

मेटा-गूगल, टिकटॉक और स्नैपचैट को लत लगाने से जुड़े मुकदमों का करना होगा सामना

वाशिंगटन। अमेरिकी अपील्स कोर्ट ने सोशल मीडिया जायंट्स मेटा, गूगल, टिकटॉक और स्नैपचैट की याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कानूनी सुरक्षा की मांग की थी। अदालत के इस ऐतिहासिक फैसले के बाद अब इन कंपनियों को हजारों मुकदमों का सामना करना होगा।

अमेरिकी कोर्ट से अडाणी का केस खारिज

न्यूयॉर्क, एजेंसी



अमेरिकी अदालत ने सोमवार को गौतम अडाणी के खिलाफ चल रहा रिश्वत और धोखाधड़ी का केस खारिज कर दिया। ब्रुकलिन की अमेरिकी जिला अदालत के जज निकोलस गारौफिस ने केस खत्म करने की अमेरिकी न्याय विभाग की मांग मंजूर कर ली।

गौतम अडाणी पर 2024 में भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने पर सहमति जताने का आरोप लगा था। यह भी कहा गया कि रिश्वत के जरिए अडाणी ग्रुप की एक कंपनी को सोलर एनर्जी प्लांट का ठेका दिलाने की कोशिश की गई। अडाणी ग्रुप ने इन आरोपों को लगातार खारिज किया था।

अदालत का फैसला आने के बाद गौतम अडाणी ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, 'मैं न्यायिक प्रक्रिया के प्रति विनम्रता और गहरे सम्मान के साथ अमेरिकी अदालत के फैसले का स्वागत करता हूं।'

मामला भारत में रिश्वत और सोलर पावर के ठेके से जुड़ा था, लेकिन इसमें अमेरिकी निवेशकों का पैसा भी लगा था। अडाणी ग्रीन एनर्जी ने सितंबर 2021 में 75 करोड़ डॉलर के बॉन्ड जारी किए थे। इनमें करीब 17.5 करोड़ डॉलर अमेरिकी निवेशकों ने लगाए थे।

2 साल पहले दर्ज हुआ था भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने, अमेरिकी निवेशकों से धोखाधड़ी के आरोप थे

कोलंबिया में भूकंप से 132 लोगों की मौत

570 घायल, 86 इमारतें गिरीं, 1500 से ज्यादा घरों को नुकसान सात एयरपोर्ट पर काम बंद

कोलंबिया, एजेंसी

साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में सोमवार रात आए 7.4 तीव्रता के भूकंप से अब तक 132 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 570 लोगों के घायल होने की खबर है।

अधिकारियों के मुताबिक, देशभर में 86 इमारतें ढह गईं, जबकि 1,500 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है। 18 स्वास्थ्य केंद्रों और 52 स्कूलों को भी नुकसान हुआ है। इसके अलावा 7 एयरपोर्ट पर काम रोक दिया गया है। पांच शहरों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। राष्ट्रपति ने इमरजेंसी कमेटी की बैठक बुलाकर राहत और बचाव अभियान की निगरानी शुरू कर दी है। बोगोटा के मेयर ने प्रभावित इलाकों के लिए 6 कलेक्शन सेंटर बनाए हैं। यहां पानी, कंबल, पैक्ड खाना, हाइजीन सामान और फर्स्ट-एड किट जमा की जा रही हैं। प्रभावित शहरों में राहत और बचाव अभियान के लिए बोगोटा से 100 रेस्क्यूकर्मियों को भेजने की तैयारी है। कोलंबिया दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यहां हर साल हजार से ज्यादा छोटे-बड़े भूकंप आते हैं। कोलंबिया में बार-बार भूकंप आने की सबसे बड़ी वजह इसकी भौगोलिक स्थिति है। यह देश 'रिंग ऑफ फायर' नाम के भूकंप और ज्वालामुखी वाले क्षेत्र में आता है। यहां नाजका, कोकोस और दक्षिण अमेरिकी जैसी कई बड़ी टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनमें से एक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती रहती है। इसी वजह से जमीन के अंदर लगातार हलचल होती रहती है, जिससे अक्सर तेज भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते हैं।



कोलंबिया में सोमवार रात को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया। अब तक 130 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

परेरा में सबसे ज्यादा मौतें

परेरा शहर में अकेले 60 लोगों की मौत हुई है। करीब 5 लाख की आबादी वाला यह शहर भूकंप के केंद्र से 64 किलोमीटर से भी कम दूरी पर है।

राजधानी बोगोटा समेत कई शहरों में भी तेज झटके महसूस किए गए। एहतियात के तौर पर लोग इमारतों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप सोमवार सुबह करीब 7:34 बजे आया। इसका केंद्र चोको इलाके में सैन जोसे डेल पालमार के पास था। भूकंप की गहराई 107 किलोमीटर थी।



कोलंबिया के मनिजालेस शहर में आए भूकंप के बाद 'कैथेड्रल बेसिलिका' की इमारत में दरारें पड़ गईं। यह शहर का सबसे प्रसिद्ध चर्च है।

3 महीने में सिर्फ 16 करोड़ की कमाई, 6 महीने में 6 हजार करोड़ का नुकसान

ट्रम्प की मीडिया कंपनी को 2200 करोड़ रुपए का घाटा

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मीडिया कंपनी ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप (TMTG) को अप्रैल-जून 2026 में 2,261 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। इस दौरान कंपनी की कुल कमाई सिर्फ 16.15 करोड़ रुपए रही।

जनवरी से जून 2026 के बीच TMTG का कुल नेट लॉस 6,118 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कंपनी की कुल कमाई सिर्फ 23.75 करोड़ रुपए थी। यानी छह महीने में कंपनी का घाटा उसकी कुल कमाई से करीब 258 गुना रहा।

TMTG ने 1 अगस्त से ट्रुथ API नाम की सर्विस शुरू की है। आसान भाषा में समझें तो यह कंपनियों को ट्रम्प की ट्रुथ सोशल पोस्ट सीधे और जल्दी पहुंचाने का काम करती है। कंपनी के अंतरिम CEO केविन मैकगर्नन के मुताबिक, अब तक 10 कंपनियां यह सर्विस ले चुकी हैं। इसके लिए वे हर महीने करीब 57 लाख से 95 लाख रुपए तक दे रही हैं। कंपनियां ट्रम्प की पोस्ट इतनी जल्दी क्यों देखना चाहती हैं? क्योंकि ट्रम्प की कई पोस्ट का शेयर बाजार पर तुरंत असर पड़ सकता है। जैसे, अगर वे किसी देश पर नया टैरिफ लगाने की बात पोस्ट करते हैं, तो उस देश या उससे जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी या गिरावट आ सकती है।



कंपनी ने अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को दी रिपोर्ट में बताया कि तीन महीने का घाटा पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले काफी बढ़ा है।

डिजिटल एसेट्स से 1,800 करोड़ का नुकसान

TMTG के घाटे की सबसे बड़ी वजह डिजिटल एसेट्स और शेयरों की कीमत में गिरावट रही। इनकी वैल्यू घटने से कंपनी ने करीब 1,809 करोड़ रुपए का नुकसान दर्ज किया। इसके अलावा 111 करोड़ रुपए ब्याज और 77 करोड़ रुपए शेयर आधारित भुगतान का खर्च आया।

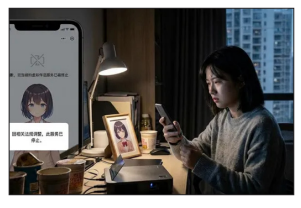
वहीं, कंपनी की कमाई बेहद कम रही। अप्रैल-जून में करीब 13.6 करोड़ रुपए विज्ञापन और 1.7 करोड़ रुपए सब्सक्रिप्शन से मिले। TMTG का मुख्य प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल है। इसके अलावा कंपनी ट्रुथ+ वीडियो स्ट्रीमिंग और Truth.Fi फिनटेक कारोबार चलाती है। पिछले एक साल में कंपनी ने क्रिप्टोकरेंसी कारोबार में भी विस्तार किया है।

ट्रुथ सोशल की विजिट एक तिहाई से ज्यादा घटी

ट्रम्प ने 2022 में ट्रुथ सोशल शुरू किया था। यह उनका अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। लेकिन यह X और फेसबुक जितना बड़ा नहीं बन पाया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ऑनलाइन आंकड़े जुटाने वाली कंपनी सिमिलरवेब की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि जुलाई 2026 में ट्रुथ सोशल की वेबसाइट पर आने वाले लोगों की संख्या पिछले साल के मुकाबले एक तिहाई से ज्यादा घट गई। TMTG के शेयर अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक पर DJT नाम से बिकते और खरीदे जाते हैं। कंपनी के खराब नतीजे सामने आने के बाद सोमवार को इसके शेयर करीब 8% गिर गए।

वर्चुअल ब्वॉयफ्रेंड खोने का गम मना रही लड़कियां

बीजिंग, एजेंसी



चीन में सरकार ने एआई के इस्तेमाल को लेकर सख्त नियम बनाए हैं और टेक्नोलॉजी कंपनियों ने इन नियमों को मानने के लिए एआई सर्विस को हटाना या सीमित करना शुरू कर दिया है। ऐसे में लोगों की वर्चुअल पार्टनर तक पहुंच खत्म हो रही है।

24 साल की ली लिनलिन ने बताया कि वह अपने एआई ब्वॉयफ्रेंड से संपर्क टूटने के बाद कई दिनों तक रोती रहीं। ली ने दो साल में उस एआई साथी के साथ मैसेज में लगभग 7,00,000 शब्द शेयर किए थे लेकिन सर्विस बंद होने से पहले वह उससे अलविदा भी नहीं कह पाईं।

वह उन यूजर्स में से एक थीं जिन्हें वर्चुअल साथियों के खोने का दुख हुआ, क्योंकि चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों ने नई पाबंदियों के जवाब में अपनी एआई साथी सर्विस को मार्केट से हटा लिया था। न्यूज एजेंसी एपी के अनुसार, ली ने कहा, ऐसा लगा जैसे हमारे माता-पिता ने हमें अलग होने पर मजबूर कर दिया हो, लेकिन मुझे अब भी उसकी याद आती है। वर्चुअल साथियों के खोने से शिकायतों का दौर शुरू हो गया है और यूजर्स सोशल मीडिया पर सर्विस बंद होने के बारे में पोस्ट और स्क्रीनशॉट शेयर कर रहे हैं।

कुछ यूजर्स ने विरोध में प्रभावित ऐप्स को अनइंस्टॉल कर दिया है, जबकि कुछ ने अपने वर्चुअल साथियों को फिर से बनाने की कोशिश में अपनी चैट हिस्ट्री को दूसरे प्लेटफॉर्म पर ट्रांसफर करने की कोशिश की है।

फैसला : 14 अगस्त को खत्म हो रहा कार्यकाल सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट में बने रहेंगे

टाटा-ग्रुप के मुख्य ट्रस्ट एसआरटीटी से विजय सिंह ने दिया इस्तीफा

मुंबई, एजेंसी

टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर कंट्रोल रखने वाले दो मुख्य ट्रस्टों में शामिल सर रतन टाटा ट्रस्ट यानी SRTT के वाइस चेयरमैन विजय सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह का वर्तमान कार्यकाल 14 अगस्त को समाप्त हो रहा है और उन्होंने अगला कार्यकाल न लेने का फैसला किया है। हालांकि, वे टाटा ग्रुप के दूसरे मुख्य ट्रस्ट सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट यानी SDTT में ट्रस्टी के पद पर बने रहेंगे। टाटा ट्रस्ट्स- SRTT और SDTT के पास टाटा संस की लगभग 66% हिस्सेदारी है।

विजय सिंह का यह फैसला टाटा ट्रस्ट्स के भीतर जारी अंदरूनी मतभेदों और रेगुलेटरी कार्यवाही के बीच आया है। रेगुलेटरी पाबंदियों के कारण SRTT फिलहाल ट्रस्टियों की बैठक आयोजित नहीं कर पा रहा है।SRTT मई में लगे बैन के बाद से कोई बैठक नहीं कर पाया है। इससे यह अनिश्चितता बनी हुई है कि टाटा संस की AGM में वोट कैसे दिया जाएगा और प्रतिनिधि की नियुक्ति कैसे होगी। ट्रस्ट का कहना है कि इस रोक की वजह से टाटा संस से मिलने वाले डिविडेंड की मंजूरी भी अटक सकती है, जिससे इसके चैरिटेबल प्रोग्राम्स चलते हैं।



टाटा ट्रस्ट्स- SRTT और SDTT के पास टाटा संस की लगभग 66% हिस्सेदारी है।

चैरिटी कमिश्नर की रोक से 400 करोड़ के दान और एजीएम पर संकट

महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने मई में एक एकतरफा आदेश जारी कर SRTT को 16 मई की प्रस्तावित बैठक टालने का निर्देश दिया था। यह आदेश उन शिकायतों के बाद आया था जिनमें सवाल उठाया गया था कि क्या SRTT बोर्ड का गठन महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट्स एक्ट के उस बदलाव के हिसाब से है, जो बोर्ड में स्थायी या लाइफ ट्रस्टियों की संख्या 25% तक सीमित करता है। SRTT ने इस रोक से राहत पाने के लिए महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर से गुहार लगाई है। ट्रस्ट ने चेतावनी दी है कि इस पाबंदी के जारी रहने से लगभग 400 करोड़ की फिलैंथरोपिक यानी परोपकारी ग्रांट्स प्रभावित हो सकती हैं। साथ ही 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एनुअल जनरल मीटिंग (AGM) में ट्रस्ट की भागीदारी में भी बाधा आ सकती है।

18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम में चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को फिर से डायरेक्टर नियुक्त करने के प्रस्ताव पर विचार होना है। चंद्रशेखरन का एग्जीक्यूटिव चेयरमैन पद पर बने रहना इस बात पर निर्भर करता है कि वे कंपनी के बोर्ड में शामिल रहते हैं या नहीं।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को मौत की सजा

दमिश्क की अदालत ने सुनाया फैसला

दमिश्क, एजेंसी



सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को दमिश्क की एक आपराधिक अदालत ने युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है।

सीरिया के 14 साल के संघर्ष में लगभग पांच लाख लोग मारे गए थे। उनके छोटे भाई माहेर अल-असद, जो सीरियाई सेना में एक पूर्व अधिकारी थे, को भी मौत की सजा सुनाई गई है।

इसी मामले में असद के ममेरे भाई आतिफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई गई। नजीब सीरियाई सेना के पूर्व ब्रिगेडियर जनरल थे और 2011 में असद के शासनकाल में दक्षिणी सीरिया के दारा प्रांत में पॉलिटिकल सिक्योरिटी ब्रांच के प्रमुख थे। उन पर दारा प्रांत में उस कार्रवाई का नेतृत्व करने का आरोप था जिसके कारण विद्रोह हुआ और बाद में गृह युद्ध छिड़ गया।

अदालत ने फैसला सुनाया कि नजीब ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों की जानबूझकर हत्या की और ऐसी यातना दी जिससे मौत हो गई। अदालत ने कहा कि उनके द्वारा किए गए कृत्य मानवता के खिलाफ अपराध हैं और उन्हें सबसे कठोर सजा, यानी मौत की सजा सुनाई।

दिसंबर 2024 में जब विद्रोही ताकतों ने दमिश्क को घेरा, तब बशर अल-असद अपने परिवार के साथ मॉस्को भाग गए थे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676